संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-158 ■ रायपुर, गुरुवार 05 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



वारः गुरुवार
तिथिः कार्तिक कृष्ण एकादशी
पक्षः कार्तिक पक्ष
मासः कार्तिक (कृष्ण पक्ष)
ऋतुः शरद ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी
योगः वैधृति
करणः बालव
चन्द्र राशिः सिंह राशि में।
सूर्य राशिः तुला राशि में।
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:43 से दोपहर 12:26 तक।
विजय मुहूर्तः दोपहर 01:54 से 02:38 तक।
ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:52 से 05:44 तक।
राहुकालः दोपहर 01:27 से 02:49 तक

लद्दाख प्रशासन ने सोनम वांगचुक के स्कूल को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। लद्दाख प्रशासन ने सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स' को निर्देश दिया है कि जब तक हाई कोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक वह अपने 'डेजर्ट फ्लावर स्कूल' में सभी गतिविधियां रोक दे। यह निर्देश लेह स्थित तहसीलदार कार्यालय द्वारा एचआईएएल की सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गीतांजलि जे. आंग्मो को संबोधित एक नवंबर को जारी एक नोटिस के माध्यम से दिया गया। आंग्मो, सोनम वांगचुक की पत्नी हैं। नोटिस के अनुसार, प्रशासन को यह सूचना मिली थी कि सक्षम अधिकारियों से आवश्यक सहमति, मंजूरी या अनुमोदन प्राप्त किए बिना लेह के फ्यांग स्थित 'डेजर्ट फ्लावर स्कूल' में कक्षाएं और अन्य गतिविधियां शुरू कर दी गई थीं। इसमें 22 सितंबर के एक पत्र का भी हवाला दिया गया, जिसके माध्यम से आंग्मो ने स्कूल की प्रबंध समिति के प्रस्तावित सदस्यों के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' मांगा था। यह स्कूल एचआईएएल तंत्र के तहत संचालित होता है।

खड़ी हाइवा में लगी आग, अंदर सो रहा था ड्राइवर, ऐसे बची जान

बालोद. डौंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत लिमहाटोला गांव में मंगलवार सुबह सड़क किनारे खड़ी हाइवा में अचानक आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई. ड्राइवर ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई.

जानकारी के मुताबिक, ड्राइवर ने हाइवा को सड़क किनारे खड़ा किया था. रात में वह गाड़ी में ही सो रहा था. इसी दौरान सुबह करीब 5 बजे अचानक हाइवा में आग लग गई. आग की लपटें देखकर ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी से बाहर छलांग लगा दी. इससे उसकी जान बच गई, लेकिन देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया.

घटना की सूचना पर डॉयल 112 और डौंडी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. इसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया. दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि तब तक हाइवा पूरी तरह जल चुकी थी. फिलहाल हाइवा में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. डौंडी पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

मुख्यमंत्री ने जशपुर में 1.35 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित पंडित रामचंद्र पौराणिक सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

सामुदायिक भवन से मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मिलेगी बड़ी राहत : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर शहर में 1 करोड़ 35 लाख 85 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित पंडित रामचंद्र पौराणिक सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर शहरवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी। शहर के मध्य में निर्मित यह सर्वसुविधायुक्त भवन सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उत्तर जशपुर क्षेत्र में नए सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों की आवश्यकताओं और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना विकास को निरंतर प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवनों का निर्माण केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने का भी माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर शहर के बीचों-बीच इस भवन के निर्माण से विशेष रूप से मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अब विवाह, जन्मदिन, वर्षगांठ सहित विभिन्न पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए लोगों को महंगे निजी स्थलों और



टेंट आदि पर अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा। इससे परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि विकास की सुविधाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंचें। नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर अधोसंरचना विकसित की जा रही है। इस अवसर पर रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री कृष्णा राय, श्री अमर सुल्तानिया, जिला पंचायत सदस्य श्री गेंद बिहारी, श्री सुनील गुप्ता, श्री भरत सिंह, सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा, पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, नगर पालिका अधिकारी श्री योगेश्वर उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीएम साय ने जशपुर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की 4 मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया शुभारंभ

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर प्रवास के दौरान विश्राम गृह परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की चार मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया। इन मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में रहने वाले नागरिकों को उनके नजदीकी हाट-बाजारों में निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के नागरिकों के लिए लाभकारी होगी, जहां स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विशेष रूप से जनजातीय बहुल और दूरस्थ अंचलों में रहने वाले नागरिकों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य



सुविधाओं के अभाव में किसी भी व्यक्ति को उपचार से वंचित न रहना पड़े, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर जैसे भौगोलिक रूप से विस्तृत और वनांचल क्षेत्रों वाले जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनेंगी। हाट-बाजार ग्रामीण जीवन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन स्थानों पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। इससे उपचार के लिए दूरस्थ स्वास्थ्य संस्थानों तक जाने में लगने वाले समय और खर्च में भी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में रेडक्रॉस सोसायटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। चार मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुआत से जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और विशेष रूप से जरूरतमंद एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं। राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ ही ऐसी जनहितकारी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाएं सीधे नागरिकों तक पहुंच सकें।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री सुनील गुप्ता, श्री भरत सिंह, श्री अमर सुल्तानिया, श्री कृष्णा राय, सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी ने शुरू की यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी



उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव का समय पास आ रहा है। माना जा रहा है कि साल 2027 की शुरुआत में यूपी में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव नजदीक आते ही सभी राजनीतिक दल एक्टिव हो चुके हैं और अपनी रणनीति बनाकर जमीन पर प्रचार अभियान में जुट रहे हैं। अब कांग्रेस पार्टी भी यूपी चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। दिल्ली की रैली के बाद अब कांग्रेस का ध्यान यूपी चुनाव पर है। इसी क्रम में प्रियंका गांधी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के नेताओं साथ चुनावी रणनीति पर मंथन किया है।

मंगलवार को दिल्ली में यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ अपने घर पर बैठक की। करीब 3 घंटे तक चली बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के गठन, बूथ स्तर की तैयारियों और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही समाजवादी पार्टी के साथ संभावित गठबंधन और आगामी चुनाव में सीट शेयरिंग के फार्मूले को लेकर भी बातचीत की गई

दिल्ली में हुई इस अहम बैठक में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर रणनीति तेज कर दी है।

प्रियंका गांधी की बैठकः वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ अपने आवास पर करीब 3 घंटे तक लंबी बैठक की।

रामलीला मैदान रैली में गैरहाजिर यूथ कांग्रेस के 202 पदाधिकारी निलंबित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली' में शामिल नहीं होने पर सात राज्यों के अपने 200 से अधिक पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, संगठन की ओर से गुजरात, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, मध्य प्रदेश और झारखंड के पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। गुजरात में 49, पश्चिम बंगाल में 26, उत्तर प्रदेश (मध्य) में 11, तेलंगाना में 14, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 60 और झारखंड में 32 पदाधिकारियों को निलंबित किया गया है। इस तरह कुल 202 पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। निलंबित किए गए पदाधिकारियों में प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव स्तर के नेता शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि इन पदाधिकारियों ने रैली को लेकर दिखाई गई उदासीनता के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ अन्य राज्यों के पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

महादेव सट्टा ऐप मामले में एक और बड़ी कार्रवाई, रवि उप्पल दुबई में गिरफ्तार !

रायपुर ■ दैनन्दिनी

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में एक और बड़ी खबर सामने आई है। ऐप के सह-संचालक और करोड़ों रुपये के सट्टा सिंडिकेट के प्रमुख आरोपी रवि उप्पल को दुबई में गिरफ्तार किए जाने की खबर है। हालांकि, संयुक्त अरब अमीरात की ओर से भारत सरकार को अब तक गिरफ्तारी की आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो रवि उप्पल को भारत लाने की तैयारी में जुटे



हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय जांच एजेंसियों को अनौपचारिक माध्यमों से रवि उप्पल की गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। हालांकि, UAE की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाज सौरभ चंद्राकर के ओमान से भारत प्रत्यर्पण के करीब पांच दिन बाद सामने आया है। जांच एजेंसियां अब रवि उप्पल के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज करने में जुटी हैं।

बताया जाता है कि भिलाई निवासी रवि उप्पल दुबई से महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप का संचालन करता था। उसके खिलाफ अक्टूबर 2023 में इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था।

कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या, आरोपी को उम्रकैद

जांजगीर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रधान सत्र न्यायाधीश जयदीप गर्ग ने आरोपी रामगोपाल खुंटे को दोहरे हत्याकांड का दोषी ठहराते हुए दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा आरोपी पर कुल 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर 6-6 माह के अतिरिक्त सश्रम कारावास का आदेश दिया गया है। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भठली का है। अभियोजन के मुताबिक आरोपी रामगोपाल खुंटे शराब बेचने का काम करता था। उसके घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर सुंदरलाल कुर्रे का घर था। सुंदरलाल के घर लोगों का आना-जाना लगा रहता था, जिसे लेकर आरोपी नाराज रहता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था।

शराब की शीशी में मिलाया था कीटनाशक

घटना 6 मार्च 2025 की शाम करीब 7 बजे की है। अभियोजन के अनुसार आरोपी ने देशी शराब की 180 एमएल की शीशी में कीटनाशक मिलाया और सुंदरलाल कुर्रे के घर पहुंचा।



सुंदरलाल ने शराब पीने से मना कर दिया, जिसके बाद आरोपी ने घर की परछी में बैठे सीताराम लहरे और रोहित कुमार तेंदुलकर को शराब पीने के लिए दे दी। शराब पीने के कुछ देर बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच के दौरान आरोपी के घर से विभिन्न कीटनाशक दवाइयों के डिब्बे बरामद किए गए। वहीं न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला बिलासपुर की जांच में मृतकों के विसरा में कार्बामेट कीटनाशक फेनोबुकार्ब के साथ इथाइल और मिथाइल अल्कोहल पाया गया। इस रिपोर्ट ने मामले में कीटनाशक मिली शराब के सेवन की पुष्टि की। मामले में अभियोजन पक्ष ने कुल 19 गवाहों के बयान कराए। हालांकि घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था, लेकिन गवाहों के बयान, जब्त सामग्री और फॉरेंसिक रिपोर्ट सहित परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी के खिलाफ अपराध प्रमाणित माना।

अग्निवीरों के लिए मोदी सरकार का बड़ा फैसला

75% की आर्मी में होगी भर्ती, 2 साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अग्निपथ ढांचे में किए गए बदलावों के तहत, जिन अग्निवीरों का चयन नियमित भर्ती के लिए नहीं हो पाता है, उन्हें दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इससे उनकी कुल सेवा अवधि चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमण्यम ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान इस फैसले की घोषणा की। मौजूदा नियमों के अनुसार, मेरिट के आधार पर 25 प्रतिशत तक अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जा सकता



है। बाकी बचे 75 प्रतिशत अग्निवीरों को, अपनी शुरुआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद, दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इस विस्तारित कार्यकाल के अंत में, जो अग्निवीर आगे भी सेवा जारी रखना चाहेंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए विचार किया जाएगा, जिसके लिए कुछ तय चयन मानदंड लागू होंगे। सीडीएस ने कहा कि योग्यता के आधार पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जाएगा। पहले, 75 प्रतिशत अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएं। हालांकि, इस अद्यतन (अपडेटेड) योजना के तहत, बाकी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को अब दो साल की अतिरिक्त सेवा अवधि का मौका दिया जाएगा। यह दो साल की अवधि पूरी होने पर, जो भी इच्छुक होंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल कर लिया जाएगा; इसके लिए चयन के कुछ निश्चित मानदंड होंगे। इस योजना के ये चार मुख्य पहलू हैं।

इस बीच, अग्निवीरों का पहला बैच 21 नवंबर को सेवा से बाहर हो जाएगा। भारतीय नौसेना के पहले बैच में लगभग 2,100 अग्निवीरों को शामिल किया गया था, जिनमें से करीब 550 (लगभग 25 प्रतिशत) को रिटेंशन पॉलिसी के तहत नौसेना में स्थायी रूप से रख लिया गया है। बाकी बचे अग्निवीरों को पहले अपने चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवा से बाहर होना था।

20 हजार रुपए रिश्वत लेते प्रधान आरक्षक रंगे हाथ गिरफ्तार

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रिश्वतखोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। बसंतपुर थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक किशोर यादव को एसीबी की टीम ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गौरव अग्रवाल ने प्रधान आरक्षक किशोर यादव के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि प्रधान आरक्षक ने रुपए के लेनदेन से जुड़े मामले में उनसे 5 लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने मामले की जांच और सत्यापन किया। इसके बाद बुधवार को योजनाबद्ध तरीके से गौरव अग्रवाल को 20 हजार रुपये देकर बसंतपुर थाना भेजा गया। जैसे ही गौरव अग्रवाल ने प्रधान आरक्षक किशोर यादव को 20 हजार रुपये दिए, पहले से तैनात ACB की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। फिलहाल एसीबी की टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

'बिग बॉस 20' में फूट-फूटकर रोती दिखीं माही विज, मेकर्स के दिखाए जा रहे नरेटिव पर उठाए सवाल, बोलीं- 'मैं शो नहीं करूंगी'



मुंबई (एजेंसी)। 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट प्रोमो में माही विज को रोते हुए देखा जा सकता है। शो में उन्हें लेकर जो नरेटिव दिखाया जा रहा है। उस पर सवाल उठाते हुए वह काफी भावुक हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें बेवजह निशाना बनाया जा रहा है। इस बात पर अपनी नाराजगी जताते हुए वह शो छोड़ने की धमकी भी देती हैं और कहती हैं कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह शो में आगे नहीं रहना चाहतीं। लव गिल की मां ने माही विज पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद माही फूट-फूटकर रोने लगी और दोनों की हालत देख घरवालों की चिंता बढ़ जाती है। इस पहले माही विज ने अमन गांधी को 'नामर्द' और 'स्पिनेलस' कहा था। इस बात को लेकर घर में जमकर हंगामा भी हुआ था।

लव गिल की मां ने माही विज पर लगाए गंभीर आरोप

प्रोमो की शुरुआत में घर के अंदर लव गिल की मां का एक संदेश बजता है। पंजाबी में बात करते हुए, वह माही से कहती हैं कि उन्हें कुछ भी बोलने से पहले सोचना चाहिए था, क्योंकि वह माही की उम्र की ही हैं। हालांकि, माही को संदेश का बाकी हिस्सा समझ नहीं आया और वह लव से पूछती हैं कि उनकी मां ने क्या कहा। लव जवाब देती हैं, 'उन्होंने कहा कि अगर स्काउट न होता तो मैं इसे नंगा कर देती।' वहीं, माही का दावा है कि उनकी मां ने ऐसा कोई शब्द इस्तेमाल नहीं किया था।

लव गिल की मां की वजह से रो पड़ी माही विज

बाद में माही भावुक हो जाती हैं और कहती हैं, 'मुझे ऐसा लग रहा है कि शो में सिर्फ मुझे ही दिखाया जा रहा है। अगर यही हाल रहा तो मैं शो में आगे नहीं रहूंगी। मुझे पैसे भी नहीं चाहिए।' आंखों में आंसू लिए वह बातचीत के बीच से ही उठकर चली जाती हैं। इसके बाद एक्ट्रेस को वॉशरूम में जाते हुए देखा जाता है। वह काफी परेशान नजर आती हैं और अपने आंसुओं को रोकने की कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे बहुत भारी लग रहा है', जबकि अरिशफा खान उन्हें दिलासा देते हुए कहती हैं, 'रोओ मत, रोओ मत।'

बिग बॉस मेकर्स पर भड़कीं माही विज

वॉशरूम में बैठी माही फूट-फूटकर रो पड़ती हैं और बिग बॉस से सवाल करती हैं, 'आप हर बात के लिए मुझे ही क्यों निशाना बना रहे हैं? बाहर मेरा भी परिवार है, जो यह सब देख रहा है।' वह आगे कहती हैं कि घर के सदस्य अक्सर एक-दूसरे की पीठ पीछे बातें करते हैं। माही कहती हैं, 'मैं यहां अपना नाम इस तरह खराब करने नहीं आई हूं।' प्रोमो के आखिर में उन्हें अपने आंसू पोंछते हुए देखा जा सकता है और वह बार-बार कह रही हैं, 'मैं अब और नहीं कर सकती।' अब नए एपिसोड का इंतजार करते हैं, जिसमें पता चलेगा कि माही इस ताजा विवाद को कैसे संभालती हैं और क्या वह शो छोड़ने के अपने फैसले पर कायम रहती हैं या नहीं।

आयुष्मान खुराना को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को धमकी मिलने के मामले में मुंबई पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अभिनेता को धमकी भरा मैसेज भेजने वाले आरोपी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान वैभव मिश्रा के रूप में हुई है, जो पेशे से आईटी इंजीनियर बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पिछले कुछ दिनों से मुंबई में रहने वाले फिल्मी सितारों को अलग-अलग तरीकों से धमका रहा था। इस मामले में अभिनेता तुषार कपूर का नाम भी सामने आया है, जिन्हें भी धमकी भरा मैसेज भेजा गया था।

बेंगलुरु से गिरफ्तार हुआ आरोपी

मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने आईटी इंजीनियर वैभव मिश्रा को बेंगलुरु से हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी ने आयुष्मान खुराना के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी धमकी भरे मैसेज भेजे थे। जांच में सामने आया है कि वह पिछले कुछ दिनों से फिल्मी सितारों को निशाना बना रहा था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने किन-किन लोगों को धमकियां दी थीं और इसके पीछे उसका मकसद क्या था।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से नहीं है कोई संबंध

इस मामले में सबसे अहम बात यह सामने आई है कि आरोपी वैभव मिश्रा का लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई संबंध नहीं है। दरअसल आयुष्मान खुराना को भेजे गए धमकी भरे ऑडियो क्लिप में मैसेज भेजने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया था। ऑडियो में अभिनेता से करोड़ों रुपये की मांग भी की गई थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। अब आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उसका बिश्नोई गैंग से कोई कनेक्शन नहीं मिला है।

14 किलो वजन घटाकर मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा ने बदला पूरा लुक

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा की बहन और एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा इन दिनों अपने शानदार वेट लॉस ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर चर्चा में हैं। लंबे समय से फिल्मों से दूर चल रहीं अमृता ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका बदला हुआ लुक देखकर फैंस भी हैरान रह गए। 45 साल की उम्र में अभिनेत्री ने कुछ ही महीनों के भीतर करीब 14 किलो वजन कम किया है। उनकी इस फिटनेस जर्नी की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके ट्रांसफॉर्मेशन की खूब चर्चा हो रही है।

अमृता अरोड़ा ने अपनी फिटनेस जर्नी के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने बीते कुछ महीनों में 14 किलो वजन कम किया है। अभिनेत्री के मुताबिक, यह बदलाव उनके लिए सिर्फ शारीरिक रूप से खुद को बेहतर बनाने का प्रयास नहीं था, बल्कि एक निजी चुनौती भी थी। उन्होंने खुद को इस लक्ष्य के लिए तैयार किया और लगातार मेहनत करके अपने लुक में बड़ा बदलाव किया। अमृता की नई तस्वीरों में उनके चेहरे और बॉडी में आया फर्क साफ नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि पिछले दो से तीन साल उनके लिए ऐसे रहे, जब वह



खुद को अपने सबसे खराब दौर में महसूस कर रही थीं। इस दौरान उनकी फिटनेस और शारीरिक स्थिति वैसी नहीं थी, जैसी वह पहले रखती थीं। इसी बात ने उन्हें खुद पर काम करने और अपनी पुरानी फिटनेस हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इसे एक व्यक्तिगत चुनौती के तौर पर लिया और वजन कम करने का फैसला किया।

खुद को बेहतर बनाने के लिए लिया चैलेंज

अमृता ने अपनी इस जर्नी को लेकर कहा कि बीते दो से तीन सालों में वह खुद को अपना सबसे खराब वर्जन मानने लगी थीं। उन्हें महसूस हुआ कि अब खुद के लिए कुछ करने और अपनी सेहत पर ध्यान देने का समय आ गया है। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने ट्रांसफॉर्मेशन की शुरुआत की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही काफी दुबली-पतली रही हैं। यहां तक कि दो बच्चों की मां बनने के बाद भी उनका फिगर काफी हद तक पहले जैसा ही था। अमृता के मुताबिक साल 2023 में उनकी फिटनेस में बदलाव आया और उनका वजन बढ़ गया। अभिनेत्री ने कहा कि अजीब बात यह है कि लोगों के बीच उनकी यही स्थिति सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गई। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मैं अपने शुरुआती दिनों से ही बेहद दुबली-पतली रही हूं और पूरे करियर के दौरान भी ऐसा ही रहा, यहां तक कि दो बच्चों के बाद भी। यह सिर्फ 2023 की बात है, जब मैं अपनी फिटनेस से भटक गई थी और अजीब तरह से लोगों के मन में यही बात सबसे ज्यादा रह गई।'

सेहत

पाचन तंत्र के लिए कैसे काम करता है जीरा पानी?

नियमित रूप से जीरा पानी पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। भारतीय रसोई का यह मुख्य मसाला न केवल भोजन का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी छिपे होते हैं। सुबह खाली पेट जीरा पानी पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

रोजाना सुबह खाली पेट जीरा पानी पीना आज के समय में एक बेहद फेमस हेल्थ ट्रेंड भी बन चुका है। दादी-नानी के नुस्खों से लेकर डायटीशियंस तक, हर कोई पाचन को दुरुस्त रखने के लिए इसे पीने की सलाह देता है। लेकिन क्या वाकई यह रोजाना पीने से पाचन की समस्याएं दूर होती हैं? आइए जानते हैं।

जीरे में थाइमोल नामक तत्व पाया जाता है। यह तत्व हमारे पेट में पाचक रसों और पित्त के डिस्चार्ज को उत्तेजित करता है। जब पाचक रस सही मात्रा में बनते हैं, तो भोजन को पचाने की प्रक्रिया तेज और आसान हो जाती है। रोजाना जीरा पानी पीने से पाचन से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

ब्लोटिंग और गैस से राहत

जीरे में एंटी-फ्लैटुलेंट गुण होते हैं। यह आंतों में गैस बनने की प्रक्रिया को रोकता है, जिससे पेट फूलने और भारीपन की समस्या दूर होती है।

मेटाबॉलिज्म में सुधार

यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे न सिर्फ खाना जल्दी पचता है बल्कि वजन नियंत्रित रखने में भी मदद



मिलती है।

एसिडिटी को करे कम

जीरा पानी पेट के एसिड स्तर को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे सीने में जलन और खट्टी डकारें आना बंद होती हैं।

आंतों की सेहत के लिए

इसमें मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण आंतों के हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं।

क्या रोजाना इसे पीना पूरी तरह सुरक्षित है?

आम तौर पर, रोजाना एक गिलास गुनगुना जीरा पानी पीना ज्यादातर लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और फायदेमंद है। हालांकि, किसी भी चीज की अति नुकसानदेह हो सकती है। यदि आप अत्यधिक मात्रा में जीरा पानी पीते हैं, तो इससे कुछ लोगों को पेट में जलन या ब्लीडिंग जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, क्योंकि जीरे की तासीर गर्म होती है।

किसे नहीं पीना चाहिए नींबू पानी?



गर्मियों में अक्सर लोग अपने शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए नींबू पानी पीते हैं। क्या आपको भी नींबू पानी पीना पसंद है? नींबू पानी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन कुछ लोगों को नींबू पानी का सेवन करने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। आइए नींबू पानी पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेते हैं।

किडनी स्टोन के मरीज सावधान

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर किडनी स्टोन के मरीजों को नींबू पानी से परहेज करने की सलाह देते हैं। आपको बता दें कि नींबू पानी में ऑक्सलेट होता है। किडनी स्टोन के मरीजों को हाई ऑक्सलेट चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। अगर आप अक्सर ज्यादा नींबू पानी पीते हैं, तो आपकी किडनी में पथरी पैदा होने की संभावना भी बढ़ सकती है।

दांतों के लिए नुकसानदायक

आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक नींबू का नेचर एसिडिक होता है और यही वजह है कि ज्यादा नींबू पानी पीने की वजह से दांतों की सेहत डैमेज हो सकती है। अगर आपको दांतों में झनझनाहट या फिर सेंसिटिविटी महसूस होती है, तो आपको नींबू पानी नहीं पीना चाहिए वरना दांतों से जुड़ी ये समस्या बढ़ सकती है। अगर आप अपनी टीथ हेल्थ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको लिमिट में रहकर ही नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

बढ़ सकती है एसिडिटी की समस्या

अगर आपको एसिडिटी हो रही है, तो आपको नींबू पानी नहीं पीना चाहिए वरना आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नींबू पानी में साइट्रिक एसिड होता है जो एसिडिटी और हार्टबर्न जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए एसिडिटी के दौरान नींबू पानी पीने से मना किया जाता है।

मानसून में डायबिटीज को कैसे कंट्रोल रखें?

इम्यूनिटी बढ़ाने वाला खाना खाएं- बारिश के दौरान स्ट्रीट फूड लोगों को अच्छा लगता है, लेकिन ये खाना खराब होने का खतरा भी कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में डायबिटीज के रोगियों को संक्रमण को रोकना कठिन हो सकता है। खाने में घर की बनी चीजें, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें, पकी सब्जियां, खाएं। फल सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं।

पैरों की खास देखभाल करें- मधुमेह पीड़ितों को इस समय अपने पैरों की खास देखभाल करनी चाहिए। पैर गीले होने पर फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। इस मौसम में चोट लगने से भी बचाएं। पैरों को सूखा रखें। गीले सॉक्स न पहनें। पैरों के नाखून साफ और कटे हुए रखें। नंगे पैर चलने से बचें। आरामदायक जूते ही चुनें।

नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच- मानसून में नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच रखें। खाने, व्यायाम या तनाव के स्तर में ग्लूकोज लेवल प्रभावित कर सकता है। मौसम में नमी और तापमान में परिवर्तन भी इंसुलिन संवेदनशीलता को प्रभावित कर सकते हैं।

जिससे ब्लड शुगर कम या ज्यादा हो सकता है। इसलिए समय समय पर ब्लड शुगर की जांच करते रहें।

घर में कोई न कोई व्यायाम करें- इस मौसम में भी अपनी फिटनेस दिनचर्या को कम न होने दें, भले ही आपको घर के अंदर ही क्यों न व्यायाम करना पड़े। बारिश न हो तो बाहर जाकर वॉक करें। घर के अंदर लो इंटेंसिटि वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। जैसे 30 मिनट की छोटी कसरत या घर के अंदर रोजाना सुबह की वॉक कर लें इससे ब्लड शुगर मेंटेन रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें- ह्यूमिडिटी के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है।

जिससे ग्लूकोज का लेवल भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप खूब पानी पीते रहें। भले ही आपको प्यास न लगे। हर्बल टी और इन्फ्यूज्ड पानी भी हाइड्रेशन में सहायता कर सकते हैं।

काला जामुन : गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद



गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका- जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी नाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका- करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें।

तैयार मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका- 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका- जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

दिमाग के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दिल, किडनी, लिवर और फेफड़ों के साथ-साथ दिमाग को स्वस्थ रखना भी जरूरी है। दिमाग ही पूरे शरीर को मैसेज पहुंचाता है। इसलिए दिमाग का स्वस्थ होना जरूरी है। एम्स की डॉक्टर प्रियंका शेहरावत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो बता रही हैं कि दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए कौन सी चीजों की जरूरत होती है। हर किसी को ये जानना जरूरी है। सिर्फ खाना ही नहीं कुछ एक्टिविटीज भी ब्रेन को हल्दी और एक्टिव रखती हैं। जानिए दिमाग को स्वस्थ कैसे रखें?

दिमाग के लिए सबसे जरूरी विटामिन

दिमाग के लिए सबसे जरूरी विटामिन Vitamin B12 है। विटामिन बी12 आपके दिमाग और नसों को हेल्दी बनाता है। Vitamin B12 की कमी होने पर सिर्फ याददाश्त, ब्रेन फॉग, ध्यान और फोकस में ही कमी नहीं आती, बल्कि नसों से जुड़ी समस्याएं, हाथ-पैरों में झुनझुनी, संतुलन बिगड़ना और चलने-फिरने में दिक्कत भी हो सकती है। इसलिए विटामिन बी12 को दिमाग और नर्व्स की सेहत के लिए बहुत जरूरी माना जाता है।

दिमाग के लिए सबसे अच्छा भोजन

ऐसे खाद्य पदार्थ जिनमें एंटीऑक्सीडेंट्स (Antioxidants) भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं ये दिमाग के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। इसके लिए आपको रोजाना अखरोट, बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां खानी चाहिए। अखरोट और बादाम में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड, अमीनो एसिड और कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

दिमाग को सक्रिय रखने का सबसे अच्छा तरीका

दिमाग को फिट और एक्टिव रखने के लिए भरपूर अच्छी नींद जरूरी है। अगर आप ठीक से नींद नहीं लेते हैं, तो आपकी कार्यक्षमता कम हो सकती है।

रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लें। सोने के नियम जैसे समय पर सोना, समय पर उठना और सोने से पहले स्क्रीन का कम इस्तेमाल करना अपनाएं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

गुरुवार 05 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सुपेला फ्लाइओवर में पलटा तार से लदा ट्रक, लग गया जाम

भिलाई। नेशनल हाईवे पर एक पल की झपकी ने बड़े हादसे का खतरा पैदा कर दिया। भिलाई के सुपेला चौक के समीप फ्लाइओवर पर लोहे के तारों से लदा मालवाहक ट्रक पलट गया। चालक को नींद की झपकी आई और ट्रक डिवाइडर से टकराने के बाद बेकाबू हो गया। हादसे के दौरान ट्रक का टायर भी फट गया। गनीमत रही कि उस वक्त ट्रक की चपेट में कोई छोटा वाहन या राहगीर नहीं आया, वरना जानलेवा हादसा हो सकता था। ट्रक रायपुर से लोहे के तारों का बंडल लोड कर महाराष्ट्र जा रहा था। सुपेला फ्लाइओवर से उतरते समय चालक को झपकी आ गई। उसने वाहन को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद फ्लाइओवर पर आवागमन प्रभावित हो गया। सड़क पर ट्रक पलटने से वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मशक्कत कर एक तरफ का रास्ता खुलवाया, ताकि वाहनों की आवाजाही शुरू कराई जा सके।

अवैध उत्खनन, परिवहन के 110 प्रकरण भी दर्ज

दुर्ग। वित्तीय वर्ष 2026-27 में खनिज विभाग ने जिले में विगत 6 माह में 38.47 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया है जो कि जारी वित्तीय वर्ष में प्राप्त कुल लक्ष्य का 33.45 प्रतिशत राजस्व है। इन छः महीनों में विभाग ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन एवं परिवहन के 110 प्रकरण भी दर्ज किए हैं। जानकारी के अनुसार विगत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग को जिले से 90 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध विभाग ने 96.63 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया था जो कि दिए गए लक्ष्य का 107.37 प्रतिशत था। वहीं जारी वित्तीय वर्ष 2026-27 में खनिज महकमा को जिले से 115 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली का लक्ष्य मिला है जो कि गत वर्ष में मिले लक्ष्य की तुलना में 25 करोड़ रुपए अधिक है।

मुख्यमंत्री ने जशपुर पुलिस लाइन में किया हेलमेट बैंक का शुभारंभ

हर सफर में हेलमेट का उपयोग करें, सुरक्षित रहें और अपने परिवार को सुरक्षित रखें : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर पुलिस लाइन में जशपुर पुलिस द्वारा स्थापित हेलमेट बैंक का शुभारंभ किया। सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि रोकने और नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस अभिनव पहल के अंतर्गत हेलमेट बैंक में 1000 हेलमेट उपलब्ध कराए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर दोपहिया वाहन चालकों को यहां से अस्थायी रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट और चारपहिया वाहन में यात्रा करते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। हेलमेट का नियमित उपयोग ऐसी दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक छोटी सी सावधानी न केवल हमारा जीवन सुरक्षित रख सकती है, बल्कि हमारे परिवार को भी अपूरणीय क्षति से बचा सकती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जशपुर पुलिस का हेलमेट बैंक एक सराहनीय और जनहितकारी नवाचार है। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने के साथ ही जरूरतमंद लोगों को व्यावहारिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित यातायात की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हेलमेट बैंक से जरूरतमंद नागरिकों को मिलेगी सुविधा

जशपुर पुलिस द्वारा संचालित हेलमेट बैंक की विशेषता यह है कि किसी आवश्यक कार्य से अचानक निकलने वाले ऐसे नागरिक, जिनके



पास हेलमेट उपलब्ध नहीं है अथवा तत्काल हेलमेट खरीदने की आर्थिक सुविधा नहीं है, उन्हें अस्थायी रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाएगा। नागरिक अपना आवश्यक कार्य पूरा करने के बाद स्वयं का हेलमेट लेकर आएंगे और पुलिस द्वारा उपलब्ध कराया गया हेलमेट बैंक में वापस जमा करेंगे। इसके साथ ही उन्हें सड़क सुरक्षा जागरूकता से जुड़े एक छोटे से सेवा कार्य में पुलिस का सहयोग करना होगा। जशपुर पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान भी संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के वाहन जब्त किए जा रहे हैं तथा नया हेलमेट खरीदकर उसकी रसीद प्रस्तुत करने पर बिना चालान काटे वाहन छोड़ा जा रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में हेलमेट के नियमित उपयोग की आदत विकसित करना है।

जशपुर पुलिस ने संकल्प लिया है कि जिले में दोपहिया वाहन से यात्रा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति हेलमेट का उपयोग करे। 'हर सिर पर हेलमेट, सुरक्षित आप, सुरक्षित परिवार' के संदेश के साथ शुरू की गई यह पहल सड़क सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास है। इस अवसर पर रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री सुनील गुप्ता, श्री भरत सिंह, श्री अमर सुल्तानिया, श्री कृष्णा राय, सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित सुकमा के 50 ग्रामीण पहली बार ट्रेन से पहुंचे गुजरात

प्रधानमंत्री की मौजूदगी में राष्ट्रीय एकता परेड के बने साक्षी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



बस्तर के जंगलों से निकलकर गुजरात के एकता नगर तक पहुंची यह यात्रा केवल 50 ग्रामीणों का सफर नहीं थी, बल्कि बदलते सुकमा की एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें पहली बार ट्रेन में बैठने का उत्साह भी था और देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय आयोजनों में से एक का हिस्सा बनने का गौरव भी। कभी नक्सल चुनौती के कारण चर्चा में रहने वाले सुकमा के ग्रामीणों ने गुजरात के केवड़िया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह और भव्य परेड को अपनी आंखों से देखा। जब परेड में छत्तीसगढ़ पुलिस के DRG और STF के जवानों ने कदमताल की, तो सुकमा से पहुंचे ग्रामीणों ने तालियों की गूंज के साथ उनका उत्साह बढ़ाया।

सुकमा जिले के अलग-अलग गांवों से आए 50 नागरिकों के इस दल के लिए गुजरात की यात्रा कई मायनों में खास रही। इनमें बड़ी संख्या ऐसे ग्रामीणों की थी, जिन्होंने अपने जीवन में पहली बार ट्रेन से सफर किया। गांवों की परिचित सीमाओं से बाहर निकलकर लंबी रेल यात्रा करना, नए प्रदेश को देखना और राष्ट्रीय स्तर के भव्य समारोह में शामिल होना उनके लिए एक नया अनुभव था। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में आयोजित राष्ट्रीय एकता परेड ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।

एकता नगर में आयोजित समारोह के दौरान ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ पुलिस के उन जवानों को परेड में हिस्सा लेते देखा, जो बस्तर के चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा और शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते हैं। DRG और STF के जवानों की अनुशासित कदमताल ने ग्रामीणों को गौरवान्वित किया। अपने ही प्रदेश के जवानों को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व करते देख उन्होंने तालियां बजाकर उनका मनोबल बढ़ाया। यह उनके लिए केवल परेड देखना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के जवानों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का अनुभव भी था।

गरियाबंद महाविद्यालय में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

विधायक रोहित साहू ने युवाओं को किया प्रेरित



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत आज युवाओं का देश है और देश की युवा शक्ति ही विकसित भारत की परिकल्पना को वास्तविक जामा पहना सकती है। इसी उद्देश्य के साथ गरियाबंद स्थित शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विकसित भारत एवं युवाओं से संवाद विषय पर एक भव्य युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने शिरकत की और युवाओं को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक प्रक्रियाओं से गहराई से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना देश के हर युवा को आत्मनिर्भर, सशक्त और राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाना है। विधायक ने कहा कि आज का युवा भविष्य का निर्माता होने के साथ ही वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है, इसलिए युवा अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री साहू ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व और शासन-प्रशासन की प्रक्रियाओं को समझें तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर आगे आएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. तलवरे ने की। इसके साथ ही, विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष शेषनारायण गजभिये और शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय गरियाबंद की जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती मिलेश्वरी साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन मेरा युवा भारत के असिस्टेंट डायरेक्टर श्री रमन पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक संवाद में हिस्सा लिया और देश के विकास में अपना योगदान देने के साथ ही विकसित भारत बनाने का भी संकल्प लिया।

क्या सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है? बंद स्कूल मैदान में सजेंगी अस्थायी पटाखा दुकानें

- फिरोज अहमद खान

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। दीपावली एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर बालोद जिले की लौह नगरी दल्ली राजहरा में पटाखा दुकानों के संचालन को लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सुरक्षा दृष्टिकोन और जनसुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासन द्वारा शहर के बीएसपी स्कूल क्रमांक 02 के खेल मैदान को अस्थायी पटाखा बाजार के लिए चिह्नित किया गया है।



भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 एवं विस्फोटक नियम, 2008 के तहत घनी आबादी और रहवासी इलाकों के भीतर पटाखों का विक्रय एवं भंडारण पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसी कड़ी में दल्ली राजहरा शहर के तंग बाजारों और आवासीय क्षेत्रों को किसी भी अप्रिय हादसे से बचाने के लिए प्रशासन द्वारा खुले मैदान में ही अस्थायी दुकानों को अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। वही सोचने वाली बात यह है कि अस्थायी पटाखा बाजार के लिए स्थान तो तय कर दिया गया है। लेकिन पटाखो को गोदाम से पटाखा दुकानों तक तो लाया जाएगा। अब सवाल यह है कि पटाखो का गोदाम कहां है यह किसी को नहीं मालूम?

विस्फोटक नियमों के वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, अस्थायी पटाखा बाजार का संचालन किसी भी स्थायी आवासीय भवन, स्कूल भवन, अस्पताल या मुख्य सार्वजनिक मार्ग से कम से कम 50 मीटर की सुरक्षित दूरी पर होना अनिवार्य है। वही पटाखा गोदामों से दूरी क्षमता के आधार पर 100 मीटर से 250 मीटर तक की सुरक्षा दूरी लागू होती है।

इसी नियम के तहत बीएसपी स्कूल क्रमांक 02 के मैदान में दुकानों का खाका तैयार किया जा रहा है ताकि मुख्य भवन और आसपास के रहवासी क्षेत्र सुरक्षित दूरी पर रहें। आपको बता दें कि बीएसपी स्कूल क्रमांक 02 के तीनो दिशाओं में रहवासी इलाका है वही एक दिशा में सड़क है।

इसके अलावा, मैदान के अंदर लगने वाले दो पटाखा स्टॉलों या दुकानों के बीच न्यूनतम 3 मीटर (लगभग 10 फीट) का फासला रखना अनिवार्य किया गया है। यह 3 मीटर की दूरी इसलिए आवश्यक है ताकि यदि किसी एक स्टॉल में दुर्भाग्यवश कोई आपात स्थिति या आगजनी उत्पन्न होती है, तो आग तुरंत पास की दूसरी दुकान में न फैले।

विस्फोटक नियम, 2008 के तहत किसी भी अस्थायी पटाखा बाजार में दो दुकानों या स्टॉलों के बीच कम से कम 3 मीटर (लगभग 10 फीट) की सुरक्षित दूरी रखना अनिवार्य है। यह नियम इसलिए बनाया गया है ताकि यदि किसी एक दुकान में दुर्भाग्यवश आगजनी या चिंगारी उठती है, तो आग तुरंत पास की दूसरी दुकान तक न फैले और आग पर आसानी से काबू पाया जा सके।

लेकिन दल्ली राजहरा के बीएसपी स्कूल मैदान में जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। यहाँ पटाखा स्टॉलों के बीच यह 3 मीटर की दूरी न के बराबर रखी गई है और दुकानें लगभग एक-दूसरे से सटाकर बनाई जा रही हैं।

घनी आबादी को खतरे से बचाने के लिए पटाखा बाजार को शहर के तंग इलाकों से हटाकर बीएसपी स्कूल मैदान में स्थानांतरित तो कर दिया गया, लेकिन मैदान के भीतर नियमों का पालन न होने से सुरक्षा का मूल उद्देश्य ही निष्प्रभावी साबित हो रहा है। यदि किसी एक स्टॉल में आग लगती है, तो दुकानें सटी होने के कारण आग चंद सेकंडों में पूरे पटाखा बाजार को अपनी चपेट में ले सकती है।

प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग (फायर डिपार्टमेंट) द्वारा पटाखा व्यवसायियों के लिए सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है। नियमसम्मत निर्देशों के तहत अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंगयूशर) : प्रत्येक अस्थायी दुकान में कम से कम दो 5 किलोग्राम क्षमता वाले डीसीपी (ड्राई केमिकल पाउडर) प्रकार के चालू स्थिति वाले अग्निशामक यंत्र रखने होंगे।

रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था : प्रत्येक दुकान के बाहर अनिवार्य रूप से पानी से भरी बाल्टियाँ (न्यूनतम 100 लीटर) तथा सूखी रेत से भरी बाल्टियाँ/बोरियाँ रखनी होंगी, ताकि किसी भी मामूली चिंगारी को शुरुआती दौर में ही बुझाया जा सके।

विद्युत सुरक्षा : दुकानों में किसी भी प्रकार की अनधिकृत वायरिंग, खुले तार या हैंगिंग लाइट का उपयोग वर्जित रहेगा। सभी बिजली कनेक्शन शेडेड कवर और सुरक्षित इंसुलेशन के साथ होंगे।

धूम्रपान व आतिशबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध : पटाखा बाजार परिसर के 50 मीटर के दायरे में बीड़ी, सिगरेट, माचिस, दीया या किसी भी प्रकार से पटाखे फोड़ने (आतिशबाजी करने) पर सख्त पाबंदी रहेगी।

दल्ली राजहरा में पटाखा व्यवसाय पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी का मुख्य जिम्मा जिला प्रशासन के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व/एसडीएम), स्थानीय पुलिस विभाग (थाना राजहरा) और मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) का रहेगा। अनुविभागीय प्रशासन और पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा समय-समय पर मैदान का भौतिक निरीक्षण किया जाएगा।

गुण्डरदेही पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो अलग-अलग गांवों में दबिश; 13 जुआरी गिरफ्तार, 6800 रुपये नकद जब्त

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के गुण्डरदेही थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए जुआरियों पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ही दिन में दो अलग-अलग गांवों में छापेमारी कर 13 जुआरियों को रंगे हाथों दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से ताश की गड्डियां और हजारों की नगदी बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गुण्डरदेही श्रीमती श्रुति सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई अंजाम दी गई। जिले में लगातार अवैध जुआ और सट्टा कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, ताकि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम 3 नवंबर 2026 को क्षेत्र के भ्रमण पर निकली हुई थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि ग्राम साजा और ग्राम देवरी (ख) में कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देर किए दोनों स्थानों पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी।

पहली कार्रवाई ग्राम साजा में शीतला मंदिर तालाब के पास की गई, जबकि दूसरी कार्रवाई ग्राम देवरी (ख) में मशान घाट कच्ची रोड पर बिजली खंभे के नीचे की गई। पुलिस के अचानक पहुंचे से मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस टीम ने दोनों स्थानों से कुल चार पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज करते हुए 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से और जुआ फड़ से कुल 6,800 रुपये नकद तथा 52 पत्ती ताश बरामद की गई। पुलिस ने सभी साक्ष्यों को अपने कब्जे में ले लिया है।

पकड़े गए सभी 13 आरोपियों के खिलाफ थाना गुण्डरदेही में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत चार अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम, पिता का नाम एवं पता जिसमें प्रकरण (क्रमांक 01) – ग्राम साजा, शीतला मंदिर तालाब के पास राजेन्द्र कुमार साहू, पिता विश्वनाथ साहू (उम्र 45 साल), सीताराम धीवर, पिता लीलाराम धीवर (उम्र 45 साल) तथा सियाराम, पिता रामचंद धीवर (उम्र 38) निवासी – ग्राम साजा, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ शामिल है।

प्रकरण (क्रमांक 02) – ग्राम साजा, शीतला मंदिर तालाब के पास धनंजय ठाकुर, पिता नंदूलाल ठाकुर, (उम्र 24 वर्ष), राहुल, पिता झम्मर सिंह ठाकुर, (उम्र 22 वर्ष) तथा मिलन ठाकुर, पिता अंगार सिंह ठाकुर, (उम्र 35 वर्ष) निवासी – ग्राम साजा, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ शामिल है।

प्रकरण (क्रमांक 03) – ग्राम देवरी (ख), श्मशान घाट कच्ची रोड साहिल कुमार, पिता देवेंद्र राय (उम्र 22 साल) भोजराज निषाद, पिता तामेश्वर निषाद (उम्र 26 साल), केवल चंद निषाद, पिता जगदीश निषाद (उम्र 40 साल) तथा राहुल बांधे, पिता हरिशंकर (उम्र 20 साल) निवासी – ग्राम देवरी (ख), थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद, छत्तीसगढ शामिल है।

प्रकरण (क्रमांक 04) – ग्राम देवरी (ख), श्मशान घाट कच्ची रोड में खुबचंद साहू, पिता केशवराम साहू, (उम्र 22 वर्ष), महेश कुमार, पिता हिरामन धृतलहरे, (उम्र 24 वर्ष) तथा संतोष गायकवाड़, पिता देवेंद्र गायकवाड़, (उम्र 29 वर्ष) निवासी – ग्राम देवरी (ख), थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ शामिल है।

:- संपादकीय :-

अचानक आई आपदा नहीं

एनडीएमए के भीड़ प्रबंधन संबंधी दिशा-निदेर्शों को धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धताओं ने शायद पढने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर गम की कहानियों का लिखा जाना जारी है !कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ के अगले ही दिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास दर्दनाक दुर्घटना हुई। कोलकाता में 19 और ग्वालियर में 15 श्रद्धालुओं की जान गई। हालांकि दो अलग जगहें हैं, दो घटनाएं हैं, और हादसों के शिकार पात्र अलग हैं, लेकिन दोनों दुर्घटनाओं में कई समान बातें हैं। बेशक, एक सड़क हादसा है, दूसरा भीड़ प्रबंधन की विफलता- लेकिन दोनों की जड़ में एक ही सच्चाई छिपी है कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को लग्जरी मानने का नजरिया कायम है। ऐसा इसलिए है कि हर साल धार्मिक स्थलों पर ऐसे अनगिनत हादसे होने के बावजूद ना कोई सीख ली जाती है, और ना ही कोई प्रभावी जवाबदेही तय होती है। ग्वालियर में ट्रक उस सड़क पर पहुंच गया जहां नो एंट्री थी और दोपहिया वाहनों तक को रोका जा रहा था। ऐसे में बैरिकेड तोड़ कर ढलान से नीचे उतरते हुए ट्रक ने कैसे श्रद्धालुओं को कुचला, यह रहस्यमय है। पुलिस को मालूम था कि नवरात्रि में भारी भीड़ होगी, फिर भी वह पुख्ता इंतजाम करने में नाकाम रही। राहत कार्य का आलाम यह था कि पीड़ित परिवारों को खुद क्रेन किराए पर लेनी पड़ी, ताकि शव बाहर निकाले जा सकें। उधर कोलकाता के चोरबागान पंडाल में एक ही निकास था, गलियां संकरी थीं, अंदर अंधेरा था, और बारिश की स्थिति में लोगों को नियमित रूप से निकालने की व्यवस्था नहीं थी। आयोजकों की सुरक्षा संबंधी घोषणा और सुरक्षा गार्डों की सीटियों ने भगदड़ को और भड़का दिया। गौरतलब है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं थी- बीते दिनों ही बैरिकेड कई बार टूट चुके थे, फिर भी अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत नहीं समझी गई। हादसों के बाद की कहानी भी घिसीपिटी हैः कुछ पुलिसकर्मियों का निलंबन, आयोजकों की गिरफ्तारी, मुआवजे की घोषणा और जांच आयोग का गठन। जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में ही भीड़ प्रबंधन के दिशा-निर्देश तैयार किए थे। धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धताओं ने शायद उसे पढने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर गम और दर्द की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

भूटान की पहाड़ियों से उठी जलप्रलय की आहट, आपदा से निबटने के लिए भारत कितना तैयार

नीरज कुमार दुबे ।

भारी बारिश, हिमस्खलन, चट्टानों का झील में गिरना, भूकंप और प्राकृतिक बांधों का कमजोर होना अचानक पानी के बाहर निकलने का कारण बन सकते हैं। इसी घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी GLOF कहते हैं। यह सामान्य बाढ़ से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पानी के साथ भारी मात्रा में पत्थर, मिट्टी और मलबा भी तेजी से नीचे आता है। देखा जाये तो भूटान की यह घटना भारत के लिए केवल एक स्थानीय बाढ़ का मामला नहीं है। यह हिमालयी राज्यों की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की भी परीक्षा है। भारत सरकार ने सितंबर 2026 में हिमालयी राज्यों की GLOF और हिमस्खलन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की थी। इसमें शुरूआती चेतावनी प्रणाली, संवेदनशील झीलों की निगरानी, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और समय पर लोगों को सुरक्षित निकालने पर जोर दिया गया था। लेकिन अब कुछ सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है। सवाल उठता है कि क्या भूटान और भारत के बीच ग्लेशियर झीलों के जलस्तर की वास्तविक समय में जानकारी साझा करने की व्यवस्था पर्याप्त है? क्या असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर बंगाल के सभी संवेदनशील नदी तटीय गांवों तक समय रहते चेतावनी पहुंचाने का तंत्र मौजूद है? क्या नदियों पर बने बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं की ऋछडऋजैसी अचानक आने वाली बाढ़ से निपटने की क्षमता का नियमित परीक्षण हो रहा है?



भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया।हिमालय की बफीर्ली चोटियों से उठी एक प्राकृतिक हलचल ने भारत के पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल की चिंता बढ़ा दी है। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील के फटने से निकला पानी नदियों के रास्ते भारत की ओर बढ़ा। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया, गांव खाली कराए गए और बचाव एजेंसियों को मोर्चे पर लगाया गया। फिलहाल पानी का स्तर घटने के संकेत हैं, लेकिन एक नई अस्थायी झील बनने से खतरे का एक और पहलू सामने आ गया है।दरअसल, हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमा बर्फ जब टूटती है, तो उसका असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। कई बार हजारों फीट नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों की जिंदगी भी इसकी चपेट में आ जाती है। भूटान में 29 अक्टूबर 2026 को हुई ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की घटना ने एक बार फिर इसी खतरे की गंभीरता को सामने ला दिया है।हम आपको बता दें कि भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया। केंद्रीय जल आयोग ने भी संभावित जलस्तर वृद्धि को लेकर विशेष बाढ़ परामर्श जारी किया।

6 से 7 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का खतरा-अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले शिंताफू झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी मौजूद था। यह करीब 2,400 से 2,800 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। हालांकि, वास्तव में कितना पानी बाहर निकला, इसका आकलन अभी किया जा रहा है।इस पानी का प्रवाह भूटान की मो छू नदी और आगे पुनात्सांगछू नदी तंत्र से होते हुए भारत में संकोश नदी की ओर बढ़ा। भारत में संकोश नदी पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पानी को सीमा तक पहुंचने में लगभग छह से आठ घंटे लगने की आशंका जताई गई थी। यही वजह रही कि प्रशासन ने संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए पहले ही सतर्कता बढ़ा दी।हजारों लोगों का पलायन, ठऊऋरऊऋ तैनात-उधर, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 6,000 से 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले परिवार शामिल थे। राहत शिविरों में चार हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन, राशन, बच्चों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री और दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी निगरानी बढ़ाई गई। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को नदी किनारों और निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी। ठऊऋरऊऋ और नागरिक सुरक्षा की टीमें तैनात की गईं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील राजस्व क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठऊऋरऊऋ के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा लोगों से सरकारी निदेर्शों का पालन करने की अपील की।

खतरा टला या अभी बाकी है बड़ा जोखिम?ताजा रिपोर्टों के मुताबिक संकोश नदी का जलस्तर घटने लगा है। कोकराझार के जिला प्रशासन ने भी तत्काल बड़े पैमाने पर जलभराव की आशंका कम होने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन इस पूरी घटना में सबसे चिंताजनक तथ्य एक नई अस्थायी झील का निर्माण है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पानी और मलबे के बहाव से टात्क्सेमाखांग में एक नई झील बन गई है। यह सिंताफू छू और लुंगू छू नदियों के संगम के पास स्थित है।विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी अस्थायी झीलें दोबारा बाढ़ का कारण बन सकती हैं। तेज बहाव अपने साथ चट्टानें और मलबा लाता है, जिससे नदी का रास्ता अवरुद्ध हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़कर इस प्राकृतिक अवरोध को तोड़ता है, तो दूसरी बाढ़ पैदा हो सकती है। इसलिए भूटान में मो छू और पुनात्सांगछू नदी घाटियों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।यहां सवाल उठता है कि आखिर क्यों फट रही हैं हिमालय की ग्लेशियर झीलें? देखा जाये तो इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों को माना जाता है। ग्लेशियरों के पीछे हटने से उनके आसपास बड़ी-बड़ी झीलें बनती हैं। इनमें पानी अक्सर बर्फ, चट्टानों और हिमनदों से निकले मलबे के प्राकृतिक बांधों के पीछे जमा होता है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही, लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज आपको अपने करियर में गुरु का सहयोग प्राप्त होगा, आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आपका कॉन्फिडेंस आपको सक्सेस दिलाएगा।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो आज का दिन आपकी आशाओं को पूरा करेगा। आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं और अच्छे मौसम का लुत्फ भी उठाएंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपके अंदर पॉजिटिविटी बनी रहेगी, जिससे आपका मन काम करने में लगा रहेगा। आपकी भौतिक सुख-सुविधाएं बनी रहेंगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। इस राशि के लोगों का जीवनसाथी के साथ रिश्ता मधुर बनेगा, साथ ही रात को डिनर के लिए किसी अच्छे रेस्टोरेंट में भी जाएंगे। किसी काम में भाई-बहन से पूरा सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों से पूरा सहयोग मिलेगा। ऑनलाइन बिजनेस कर रही महिलाओं की इनकम में इजाफा होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के जो लोग रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। यात्रा के कारण आप थोड़ा थकान महसूस कर सकते हैं, लेकिन शाम तक अच्छा महसूस करेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन सामान्य बना रहेगा। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, वे किसी सामाजिक कार्यक्रम में जा सकते हैं और वहां आपकी बातों पर सबका ध्यान केंद्रित होगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। बुजुर्गों का प्रेम और आशीर्वाद मिलेगा। आपका मन प्रसन्न रहेगा। बाहरी यात्राओं का दौर रहेगा और यह यात्रा सुखद भी रहेगी। अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगाएंगे। घर में सुखद वातावरण रहेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना पूरी होगी। परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ रिजल्ट मिलेंगे। अच्छे कॉलेज में एडमिशन पाएंगे।

तुला राशिः आज आप काफी ऊर्जावान रहेंगे। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में लाभ करा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति कुछ बाधाओं के चलते थोड़े दिन के लिए अटक सकती है, बस आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है। आप अपने खान-पान पर ध्यान रखेंगे, जिससे आपकी सेहत फिट एंड फाइन रहेगी। एजुकेशन सेक्टर में काम कर रहे लोगों को अच्छा फायदा होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन परिवार वालों के साथ गुजरेगा। इस राशि के छात्रों को परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त होंगे। दोस्तों के साथ टाइम स्पेंड करने की संभावना बन रही है। व्यापारिक यात्रा फायदेमंद साबित हो सकती है। बच्चों से संबंधित चिंता दूर होगी। धर्म के प्रति आपकी विशेष रुचि रहेगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। राह चलते किसी अनजान व्यक्ति से बेवजह विवाद से बचें।

धनु राशिः आज आपके व्यवहार से दूसरे लोग प्रसन्न रहेंगे। दांपत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा। परिवार के साथ हंसी-खुशी के पल बिताएंगे। वैवाहिक जीवन में समरसता बढ़ेगी। घरेलू उत्तरदायित्व बखूबी निभाएंगे। मित्रों के साथ मनोरंजक यात्रा हो सकती है। घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा भी बनेगी। आपके कठिन परिश्रम का लाभ मिलने से मन में खुशी का भाव बना रहेगा।

मकर राशिःआज ऑफिस में लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, उनका पढ़ाई में मन लगेगा। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं।

कुंभ राशिः आज आपका रुझान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक पंडाल में जाने की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर से तरोताजा करने का दिन है।

मीन राशिःआज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा।

सू- दोकू क्र.207

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.206का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

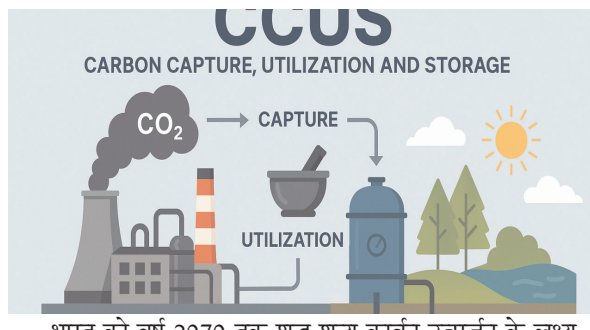
हमारे त्यौहार, हमारी परंपराएं और वह विरासत जो हमें आगे सौंपनी है



भारत में त्यौहारों के मौसम में कुछ बेहद खास होता है। उत्साह उत्सव शुरू होने से काफी पहले ही शुरू हो जाता है। घरों की साफ-सफाई और सजावट की जाती है, बाजार जीवंत हो उठते हैं, नए कपड़े खरीदे जाते हैं, मिठाइयां बनाई और बांटी जाती हैं और परिवार मिलने-जुलने की योजनाएं बनाने लगते हैं। दोस्त इकट्ठा होते हैं, रिश्तेदार आते हैं, बच्चे उत्सव का बेसब्री से इंतजार करते हैं और रोजमर्रा की दिनचर्या एक साथ होने की खुशी में बदल जाती है। अपने पारंपरिक भारतीय कपड़े पहनना, पहला दीया जलाना, मिठाई बांटना और परिवार के साथ पूजा के लिए बैठना ऐसे अनुभव हैं जो साल के इस समय को इतना सार्थक बनाते हैं। दशहरा, करवा चौथ, दीवाली और होली कैलेंडर की तारीखों से कहीं बढ़कर हैं। वे हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, जो हमें हमसे पहले की पीढि?ों से जोड़ते हैं। प्रत्येक त्यौहार की अपनी कहानी और महत्व है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाता है, दीवाली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, होली रंगों और खुशियों के जरिए लोगों को एक साथ लाती है, जबकि करवा चौथ प्रार्थना, आस्था और भक्ति की परंपराओं को संजोए हुए है। ये उत्सव केवल आनंद के अवसर नहीं हैं, वे उन विश्वासों और मूल्यों को दशार्ते हैं जिन्होंने सदियों से भारतीय समाज को गढ़ा है। इस विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हमारी पूजा, प्रार्थना और रीति-रिवाजों में समाया है। दीया जलाना, मंदिर की घंटियों की गूंज, अगरबत्ती की खुशबू, फूलों का अर्पण और परिचित मंत्रों की ध्वनि एक ऐसा वातावरण बनाती है, जो हमारे घरों और हमारे पालन-पोषण से गहराई से जुड़ा होता है। हममें से कई लोगों के लिए, ये बचपन की अनमोल यादें हैं-अपने माता-पिता और दादा-दादी को पूजा करते देखना, हाथ जोड?ा सीखना, प्रार्थनाएं सुनना और प्रसाद का इंतजार करना। वे अनुभव धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन गए।यही कारण है कि हमें अपने बच्चों को इन परंपराओं में शामिल करने का सचेत प्रयास करना चाहिए। उनके लिए केवल छुट्टियों, खरीदारी और उत्सवों का आनंद लेना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें यह समझना चाहिए कि हम दीया क्यों जलाते हैं, हम प्रार्थना क्यों करते हैं, हमारे त्यौहार किस बात के प्रतीक हैं और हमारे परिवारों में पीढि?ों से कुछ खास रीति-रिवाजों का पालन क्यों किया जाता रहा है। परंपराओं को दायित्व या बोझ के रूप में नहीं थोपा जाना चाहिए, उन्हें इस तरह समझाया और अनुभव कराया जाना चाहिए कि बच्चे उनके साथ अपना स्वाभाविक जुड़ाव विकसित कर सकें। भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक ताकत इसकी विविधता है। हम कई भाषाओं, आस्थाओं, रीति-रिवाजों, खान-पान और उत्सव मनाने के तरीकों वाला देश हैं। बंगाल की दुर्गा पूजा, महाराष्ट्र की गणेश चतुर्थी, केरल का ओणम, पंजाब की बैसाखी, असम का बिहू और तमिलनाडु का पोंगल, प्रत्येक का अपना अनूठा स्वरूप है। ये क्षेत्रीय उत्सव स्थानीय इतिहास और पहचान की अभिव्यक्ति हैं, फिर भी एक साथ मिलकर वे एक राष्ट्र के समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने का निर्माण करते हैं।ये अवसर स्थानीय संगीत, परिधान, रीति-रिवाजों और परंपराओं को जनता के सामने लाते हैं। युवा पीढ़ी के लिए, यह दृश्यता उनकी जड़ों के प्रति गर्व की एक नई भावना पैदा कर सकती है। यह उन्हें दिखाता है कि अपने राज्य और उसकी विरासत का जश्न मनाना गर्व से भारतीय होने से अलग नहीं है। हमारी विविधता कोई कमजोरी नहीं, यह उन चीजों में से एक है, जो हमें एक साथ बांध कर रखती है। यह एकता उस तरीके में भी दिखाई देती है जिस तरह से भारतीय त्यौहारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जा रहा है।

विचार

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण



भारत को वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने में कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस तकनीक के माध्यम से औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में पहुंचने से पहले ही एकत्र किया जाता है। इसके बाद इसका उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जा सकता है या इसे जमीन के भीतर सुरक्षित रूप से भंडारित किया जा सकता है। इससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।सरकार इस क्षेत्र में ऐसा तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योगों को एक साथ लाया जा रहा है। देश के कई राज्यों में इस तकनीक से जुड़ी परियोजनाएं संचालित हैं, जबकि कुछ निमार्णाधीन और प्रस्तावित चरण में हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्वदेशी कार्बन संग्रहण तकनीक, कार्बन के उपयोग और सुरक्षित भंडारण की क्षमता विकसित करना है।भारत की वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की यात्रा के लिए ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन घटाना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा से उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है, लेकिन कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में अत्यधिक तापमान अथवा कार्बन आधारित कच्चे माल की आवश्यकता होती है। ऐसे उद्योगों का पूरी तरह विद्युतीकरण करना आसान नहीं है। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण तकनीक इन क्षेत्रों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराती है।

जहाज किसका, रानी किसकी

सद्गुरु सबद जहाज है, कोई-कोई पावे भेद। बूंद-समंदर इक भया, किसका करूं निखेद॥ विशाल आकार की नौका के लिए हिन्दी में जहाज जैसा कोई अन्य शब्द उतना प्रचलित नहीं है। किसी विशालकाय वाहक की कल्पना आते ही सबसे पहले जहाज शब्द ही दिमाग में कौंधता है। फिर कौंधता है जहाज का पंछी। साथ ही याद आती है गुरु के लिए जहाज की कल्पना। जहाज शब्द मूलतः अरबी का है और इससे बने जहाजी, जहाजरानी जैसे शब्द भी हिन्दी में प्रचलित हैं। प्रश्न था कि जहाज के साथ जो रानी जुड़ा है, उसका आशय क्या सचमुच क्वीन से है! नहीं। अरबी समेत दुनिया की अनेक भाषाओं में जहाज का अर्थ विशाल परिवहन नौका है। यह बना है अरबी त्रिवर्णी क्रिया जहाजा यानी जीम-हा-जा से। जो बात पकड़ में आती है, वह यह कि जहाज का मूलार्थ वाहन नहीं था। अरबी में नौका के लिए अनेक शब्द हैं। मसलन मरकब, दो, सफीना, सुनबाक, जौराक आदि अनेक शब्द पोत, नाव आदि के अर्थ में मौजूद हैं। जहाज का अर्थ जलयान रूढ़ हो जाने के बाद इससे अन्य शब्द और मुहावरे भी बने, जैसे जहाजी, जिसका अर्थ सामुद्रिक, जहाज सम्बन्धी, दरियाई अथवा नौवहन सम्बन्धी होता है। इसके अलावा जहाजी उस कार्मिक को भी कहते हैं, जो किसी न किसी तौर पर उसके परिचालन या अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ा है, जैसे नाविक, खिवैया, मल्लाह, नौसैनिक आदि।इसी कड़ी में आता है जहाजरां या जहाजरान। अरबी के जहाज में फारसी का रान प्रत्यय जुड़ने से जहाजरान यानी जहाज चलाने वाला के आशय वाला एक नया शब्द उसी तरह बना, जैसे जहाजी बना। अब करते हैं रानी पर चर्चा। फारसी में कर्ता के आशय वाले कुछ प्रत्यय हिन्दी में भी प्रचलित हैं, जैसे गर (कारीगर, जादूगर, बाजीगर आदि), दार (पहरेदार, खरीददार आदि)। इसी तरह एक सर्ग है रां अथवा रान। भाषाविदों का अनुमान है कि यह अवेस्ताई प या हर्प से बना है, जिसका रिश्ता संस्कृत की सृप/सर्प से है। संस्कृत में सर्पति यानी धीरे-धीरे बढ़ना, फिसलना, रेंगना आदि। फारसी रौ, रवा, रवानी या रवानीगी जैसे गतिवाची शब्द भी इसी कड़ी से जुड़े हैं। रौ में बहना, रवानी आना, रवा होना जैसे वाक्य-प्रयोग हिन्दी में खूब चलते हैं, जिनमें बात गति या चलन की है। इसीलिए किसी संज्ञा के साथ रानी प्रत्यय जुड़ता है, तो कर्ता का भाव पैदा हो जाता है, जैसे कामरान, हुक्मरान (हुक्मरां) आदि। हुक्मरान का अर्थ होता है आदेश देने वाला यानी शासक। इससे बनता है हुक्मरानी यानी शासन करना। इसी तर्ज.पर जहाजरान (जहाजरां) का अर्थ होगा जहाज चलाने वाला। इससे बने जहाजरानी का अर्थ होगा जहाज चलाना, संचालन करना, जल-परिवहन, नौवहन आदि।

शब्द सामर्थ्य -207

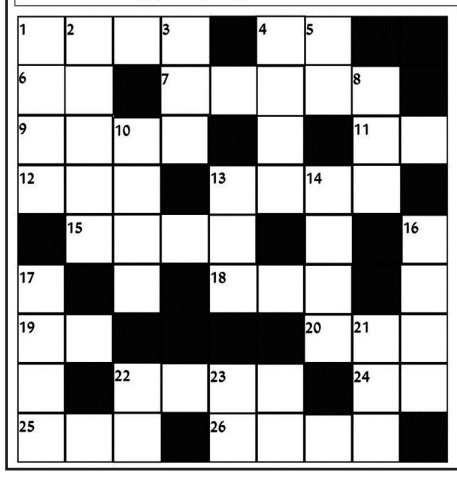
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 206का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

पिकअप में ठूंस-ठूंसकर कत्लखाना ले जाए जा रहे चार मवेशी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

कुकदुर पुलिस की कार्रवाई, मवेशियों और पिकअप वाहन सहित 10 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में पशु तस्करी और पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में कुकदुर पुलिस ने मवेशियों को पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर कत्लखाना ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार मवेशियों को बरामद करने के साथ ही परिवहन में प्रयुक्त महिंद्रा पिकअप वाहन को भी जब्त किया है। जब्त मवेशियों और वाहन की कुल अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई गई है। मामले में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में पशु तस्करी और पशुओं के प्रति क्रूरता के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया भूपत सिंह के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी कुकदुर निरीक्षक संतोष मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

ठूंस-ठूंसकर भरे थे चार मवेशी

मामले में ग्राम भेड़ागढ़ निवासी बुधराम बघेल (49 वर्ष) ने 2 नवंबर 2026 को थाना कुकदुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, करन साहू एवं भुरू यादव द्वारा दो भैंस और दो पड़िया सहित कुल चार मवेशियों को महिंद्रा पिकअप वाहन क्रमांक CG-10-CB-4328 में क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर ले जाया जा रहा था। मवेशियों के लिए चारा-पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी तथा उन्हें कत्लखाना ले जाने की तैयारी थी। प्रार्थी की शिकायत पर थाना कुकदुर में अपराध क्रमांक 98/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6 एवं 10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम,



1960 की धारा 11 तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 66/192 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

10 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी करन साहू पिता भाईराम साहू (22 वर्ष), निवासी ग्राम अमलडीही, थाना लोरमी, जिला मुंगेली को 2 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्ज़े से चार मवेशी, जिनकी अनुमानित कीमत एक लाख रुपये है तथा घटना में प्रयुक्त महिंद्रा पिकअप वाहन, जिसकी अनुमानित कीमत नौ लाख रुपये है, जब्त किया गया। इस प्रकार पुलिस ने कुल 10 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

मवेशियों को गौशाला में सुरक्षित रखवाया

बरामद मवेशियों का पशु चिकित्साधिकारी पंडरिया से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। उनके उचित देखरेख एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी चार मवेशियों को सुरभी गौशाला, मथानीखार, ग्राम पंचायत बिरकोना, थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम में सुरक्षित रखवाया गया है।

एक आरोपी फरार, दूसरे को भेजा गया जेल

गिरफ्तार आरोपी करन साहू को 3 नवंबर 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय पंडरिया के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। वहीं, प्रकरण में शामिल दूसरा आरोपी भुरू यादव फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है तथा मामले की अग्रिम विवेचना जारी है।

कबीरधाम पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि पशु तस्करी अथवा पशुओं के प्रति क्रूरता से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या डायल 112 पर सूचना दें। ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी कुकदुर निरीक्षक संतोष मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना कुकदुर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, चालक पर केस

बसना। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम उड़ेना में तेज रफ्तार वाहन ने रास्ते में खड़े पीड़ित को टक्कर मार दी।

शिकायतकर्ता गिरजा नंद तिवारी, उम्र 35 वर्ष, की रिपोर्ट पर पुलिस ने वाहन क्रमांक सीजी -11 जीएफ-4881 के चालक शिव कुमार निषाद के खिलाफ मामला दर्ज किया है। टक्कर से पीड़ित को चोट आई। पुलिस ने धारा 281, 125(ए) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

खल्लारी। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रामनाथ खड़िया, 57 वर्ष, निवासी खम्हारखुंटा, को गिरफ्तार किया। आरोपी के घर के पीछे रखी करीब 6 हजार एमएल महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 1200 रुपये बताई गई है।

खल्लारी पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

रामलीला मैदान दिल्ली में आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस की हजारों कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों से कांग्रेस पार्टी के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचे और अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी आवाज बुलंद की। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी मांग रखी। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी क्रम में मुंगेली जिला अंतर्गत लोरमी विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी ध्रुव, जिलाध्यक्ष देवा मार्को, जिला महामंत्री सूरज कोल, चंद्रू ध्रुव एवं रामावतार मरावी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी।

तोखन साहू ने बार्सिलोना में बार्सिलोना स्मार्ट सिटी प्रदर्शनी-2026 में इंडिया पवेलियन का किया उद्घाटन

भारत ने सतत, स्मार्ट एवं समावेशी शहरों के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और शहरी परिवर्तन की यात्रा को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित स्मार्ट सिटी प्रदर्शनी (SCEWC)-2026 में इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की शहरी विकास यात्रा, नवाचार आधारित पहलों और सतत, समावेशी एवं भविष्य के लिए तैयार शहरों के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का शहरी विकास परिवर्तन वैश्विक स्तर पर नई पहचान स्थापित कर रहा है। आधुनिकता, नवाचार, तकनीकी सशक्तीकरण और सतत विकास को केंद्र में रखकर देश तेजी से विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्री साहू ने कहा कि भारत में शहरीकरण को विकास के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि शहरों का विकास केवल आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन गुणवत्ता, आधुनिक सार्वजनिक सेवाएं, सुगम परिवहन, स्वच्छ पर्यावरण और प्रभावी शहरी प्रशासन भी उपलब्ध हो।

फिरा डी बार्सिलोना द्वारा आयोजित बार्सिलोना स्मार्ट सिटी प्रदर्शनी शहरी नवाचार, सतत विकास और शहरों के रूपांतरण पर केंद्रित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी है। इसका आयोजन 3 से 5 नवंबर, 2026 तक बार्सिलोना के ग्रान विया प्रदर्शनी केंद्र में किया जा रहा है। इस वैश्विक मंच पर विभिन्न देशों की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय सरकारों के प्रतिनिधि, अंतरराष्ट्रीय संगठन, शहरी नियोजन विशेषज्ञ, प्रौद्योगिकी कंपनियां, अनुसंधान संस्थान और निवेशक भाग ले रहे हैं।



सम्मेलन में सतत शहरी गतिशीलता, डिजिटल परिवर्तन, स्मार्ट गवर्नेंस, शहरी अवसंरचना, जलवायु अनुकूलन क्षमता, ऊर्जा दक्षता, आवास, सार्वजनिक सेवाओं तथा नगर प्रबंधन में उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। श्री साहू ने कहा कि स्मार्ट सिटी एक्सपो वर्ल्ड कांग्रेस में भारत की भागीदारी देश के सतत शहरीकरण, नगरपालिका सेवाओं के तकनीकी आधुनिकीकरण और जलवायु एवं आपदा संबंधी चुनौतियों के प्रति सक्षम शहरी अवसंरचना के विकास के प्रयासों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि इंडिया पवेलियन भारत की शहरी विकास संबंधी पहलों, उपलब्धियों और नवाचारों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान, वैश्विक साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच है।

श्री साहू ने कहा, "इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन में भारत की भागीदारी सतत, समावेशी, सुदृढ़ और भविष्य के लिए तैयार शहरों के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ऐसे शहरों का विकास करना है, जो आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।"

इस अवसर पर श्री साहू ने वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में विभिन्न राज्यों की टीमों द्वारा प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। इनमें छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और बिहार के प्रमुख सचिवों के नेतृत्व वाली टीमों ने अपने-अपने राज्यों में शहरी विकास, स्मार्ट सिटी समाधान और नवाचार आधारित पहलों की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। श्री साहू ने राज्यों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए शहरी विकास के क्षेत्र में राज्यों की सक्रिय भागीदारी और अनुभवों के आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया।

कॉलेज लाइफ अपने सपनों और परिवार के कामनाओं को पूर्ण करने का समय, इसके महत्व को समझें : त्रिलोक चंद्र श्रीवास



रतनपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। धार्मिक एवं पौराणिक नगरी रतनपुर में युवाओं का उत्साह उस समय देखते ही बना, जब नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) द्वारा शासकीय महामाया महाविद्यालय रतनपुर के नवीन प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए भव्य प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। रतनपुर के शूट भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। युवा ऊर्जा, जोश और उत्साह से सराबोर इस आयोजन ने एनएसयूआई की मजबूत छात्र उपस्थिति का एहसास कराया। नवीन छात्र-छात्राओं की बड़ी भागीदारी ने कार्यक्रम को युवाओं के महाकुंभ का स्वरूप प्रदान कर दिया।

कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने इस आयोजन के माध्यम से न केवल नए विद्यार्थियों का स्वागत किया, बल्कि छात्र एकता, शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसमें नवीन छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आयोजन को यादगार बना दिया।

दिग्गज कांग्रेस नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआईसीसी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय समन्वयक श्री त्रिलोक चंद्र श्रीवास ने की छात्र भविष्य की नीव है वह अपने कर्मों से इतिहास बदल सकते हैं, छात्र-छात्रा देश और समाज के भविष्य के मजबूत नीव है, युवाओं के भीतर असीम संभावनाएं हैं, यदि विद्यार्थी दृढ़ निश्चय कर ले तो अपने लग्न परिश्रम के दम पर इतिहास लिख सकते हैं, इतिहास बना सकते हैं उन्होंने विद्यार्थियों से छात्र-छात्राओं से शिक्षा के साथ संस्कार व्यवहार अनुशासन और आत्मविश्वास को जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही है, कार्यक्रम मे उपस्थित जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री सिद्धान्शु मिश्रा, कोटा के पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री संदीप शुक्ला एन एस यू आई के प्रदेश सचिव राजा रावत, युवा नेता रवि रावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सीताराम श्रीवास श्री आयुष सिंह राज, श्री कौशल श्रीवास्तव श्री चरण सिंह राज उपस्थित थे।

मंच पर उपस्थित अतिथियों का एआईसीसी छात्र नेता मानस ताम्रकार, माही राजपूत एवं आदित्य साहू द्वारा शाल, श्रीफल और मां महामाया देवी का तेलचित्र भेंटकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

मानस ताम्रकार और उनकी टीम की मेहनत से सफल हुआ जिसमें आदित्य साहू ,माही राजपूत,अविनाश श्रीवास, उस्मान खान,पुरुषोत्तम कश्यप, आशीष केवट, प्रियांशु श्रीवास, श्यामू साहू,राहुल,अरविंद ,जयकिशन यादव, प्रशांत जायसवाल, वंश ताम्रकार, कृष्ण यादव, संजना कमलसेन,रंजिता,दामिनी यादव, निकिता सारथी, सिद्धि शर्मा, श्रद्धा साहू,नसरीन परवीन,

पूरे कार्यक्रम के दौरान शूट भवन में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष पहचान दिलाई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, अतिथियों के प्रेरणादायी उद्बोधनों और विद्यार्थियों के उत्साह ने प्रवेश उत्सव को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में एआईसीसी छात्र नेता मानस ताम्रकार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और आयोजन के सफल समापन की घोषणा की। कुल मिलाकर रतनपुर का यह प्रवेश उत्सव केवल नए विद्यार्थियों के स्वागत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं की एकजुटता, छात्र नेतृत्व, शिक्षा के महत्व और संगठनात्मक शक्ति का प्रभावशाली मंच बनकर सामने आया। हजारों विद्यार्थियों की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि युवा शक्ति में समाज और देश का भविष्य बदलने की अपार क्षमता है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में पूरे करें सभी काम : डिप्टी सीएम अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर और नगर पालिका भवन के कार्यों का किया निरीक्षण



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने मुंगेली नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर और नगर पालिका भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों से कार्यों की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। श्री साव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों और निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। श्री साव के साथ विधायक श्री धरमलाल कौशिक भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सबसे पहले साइंस कॉलेज के पास नवागढ़ रोड पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने स्विमिंग पूल और नालंदा परिसर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने दोनों निर्माणाधीन परिसरों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

श्री साव ने नगर पालिका भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इन्हें निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिकारी कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान दें और इन्हें समय पर पूरा कराएं।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव कर्मा माता मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़वासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर उन्नति और प्रगति के लिए भी प्रार्थना की।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा लगातार हार का सिलसिला, रोमा को 3-2 से हराया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3-2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया। मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए। यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर



कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट-किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली कोशिश बेकार हो गई थी।

मोमेंटम धीरे-धीरे होम टीम की तरफ मुड़ गया, जब ब्रायन म्ब्यूमो ने दोनों पोस्ट पर शॉट मारकर यूनाइटेड को बराबरी पर लाने के बहुत करीब आ गए। रोमा का विरोध आखिरकार तब टूट गया जब लियोनार्डो बालेरडी क्लीयरेंस से निपटने में नाकाम रहे, जिससे मैथ्यूस कुन्हा को फायदा उठाने और बराबरी करने का मौका मिल गया।

मैच के आखिरी स्टेज पर, कुन्हा ने अहम झटका दिया, मुश्किल एंगल से एक जोरदार फिनिश के साथ गोल करके यूनाइटेड की जबरदस्त वापसी करवाई। कुन्हा के इस गोल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हालांकि, ब्राजील के इस खिलाड़ी को स्टॉपेज टाइम में बालेरडी पर फाउल करने के लिए दूसरा येलो कार्ड मिला। उन्हें पहले गोल सेलिब्रेशन के दौरान अपनी शर्ट उतारने के लिए बुक किया गया था, जिससे यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा।

मेजबान टीम ने 54 दिनों में अपनी पहली जीत हासिल की। इस जीत ने हेड कोच माइकल कैरिक पर दबाव हटाया। टीम की लगातार हार ने उन पर दबाव बढ़ा दिया था।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स ड्रॉ : पहले मैच में रायबाकिना का मुकाबला नोस्कोवा से और सबालेंका का मुचोवा से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन एलेना रायबाकिना को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने के लिए मुश्किल रास्ता दिया गया है। 27 साल की इस खिलाड़ी को ग्रुप 1 में कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की अमेरिकी जोड़ी और विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा के साथ रखा गया है। इस इवेंट में दुनिया की टॉप आठ महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो चार-खिलाड़ियों के ग्रुप में बांटा गया है, जो 8 नवंबर से शुरू होने वाले राउंड-रॉबिन इवेंट में आमने-सामने होंगी, जिससे चार सेमीफाइनलिस्ट तय होंगे। सेमीफाइनल 14 नवंबर को खेले जाएंगे, और जीतने वाली टीमें 15 नवंबर को टाइटल के लिए आमने-सामने होंगी।



पिछले दो मेजर चैंपियन, रायबाकिना और नोस्कोवा के बीच 2026 की पहली मुलाकात, डब्ल्यूटीए फाइनल्स की शुरुआत होगी। मार्च में इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच में आर्यना सबालेंका से हारने वाली रायबाकिना 2013-14 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स टाइटल को सफलतापूर्वक डिफेंड करना चाहती हैं।

इस साल की शुरुआत में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने के बाद, युवा चेक खिलाड़ी साल के आखिर में होने वाली चैंपियनशिप में अपने डेब्यू में कुछ खास करने के लिए बेताब होंगी।

दोनों की आखिरी मुलाकात 2025 में वुहान में हुई थी, जहां रायबाकिना ने हेड-टू-हेड में लगातार तीसरी जीत हासिल की थी।

गॉफ ने 2024 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता था और पेगुला 2023 में इगा स्वियाटेक से रनर-अप रहीं। पिछले साल के डब्ल्यूटीए फाइनल्स में दोनों को एक ही ग्रुप में रखा गया था, जहां दुबई चैंपियन पेगुला ने तीन सेट में जीत हासिल की थी।

लेकिन सिनसिनाटी चैंपियन गॉफ ने 2026 के अपने दोनों मुकाबले, विंबलडन क्वार्टर फाइनल और सिनसिनाटी फाइनल में जीते हैं।

आईसीसी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर वन, श्रेयस अय्यर ने भी मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बने हुए हैं। अभी कुछ दिन पहले तक जो ईशान किशन टॉप पर थे, वो अब हल्के से नीचे चले गए हैं। इस बीच टीम इंडिया के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने लंबी छलांग मारी है और वे सीधे सातवें नंबर पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दूसरे नंबर पर हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के खत्म होने और वनडे सीरीज शुरू होने के साथ ही आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी भी पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनकी रेटिंग फिलहाल 889 की चल रही है। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 883 की चल रही है। यानी पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच रेटिंग का ज्यादा अंतर नहीं है। ऐसे में अभिषेक की पहली नंबर की कुर्सी पर खतरा हो सकता है।

इशान किशन अब तीसरे नंबर पर हैं, जो कुछ वक्त पहले तक पहले नंबर की कुर्सी पर जमे हुए थे। उनकी रेटिंग 862 की है। वे भी फरहान से ज्यादा पीछे नजर नहीं आते हैं। एक अच्छी पारी उन्हें फिर से टॉप की प्रबल दावेदार बना सकती है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 793 की रेटिंग के साथ चौथे और जॉस बटलर 789 की रेटिंग के साथ नंबर पांच पर हैं। इस बीच श्रेयस अय्यर ने भी छलांग मारी है। वे अब दो स्थानों की उछाल के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग बढ़कर 777 की हो चुकी है। पिछली बार उन्हें काफी नुकसान हुआ था, जिसकी काफी हद तक भरपाई उन्होंने कर ली है। इंग्लैंड फिल साल्ट और वेस्टइंडीज के शे होप को एक एक स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के पथुम निसंका एक स्थान के फायदे के साथ नंबर 10 पर पहुंच गए हैं।

केविन मीलामू ने विराट, रोहित और गिल को दी ऑल ब्लैक्स जर्सी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व भारतीय खिलाड़ियों कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के पूर्व महान रग्बी खिलाड़ी केविन मीलामू से पर्सनलाइज्ड ऑल ब्लैक्स जर्सी दी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में एक खास बातचीत के दौरान तीनों का ऑल ब्लैक्स परिवार में स्वागत किया गया, जहां मीलामू ने क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट नंबर वाली एक काली जर्सी दी। गिल को 77, कोहली को 18 और रोहित को 45 नंबर की जर्सी दी गई। न्यूजीलैंड रग्बी के सबसे मशहूर खिलाड़ियों में से एक, मीलामू ने 132 टेस्ट मैचों में ऑल ब्लैक्स का प्रतिनिधित्व



किया। वह 2011 और 2015 में रग्बी वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 4 नवंबर को मशहूर ऑकलैंड वेन्यू पर शुरू हुई पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय स्टार्स के साथ उनकी मीटिंग ने एक स्पोर्टिंग क्रॉसओवर का मौका दिया।

ईडन पार्क न्यूजीलैंड के स्पोर्टिंग इतिहास में एक खास जगह रखता है, जो देश के सबसे मशहूर रग्बी वेन्यू में से एक है। यह स्टेडियम ऑल ब्लैक्स के शानदार 54 मैचों के बिना हारे होम रन से भी जुड़ा है, जो 1994 में शुरू हुआ था।

भारतीय क्रिकेट टीम ने सोशल मीडिया पर इस बातचीत की साझा की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे तीन भारतीय स्टार्स और न्यूजीलैंड रग्बी के एक महान खिलाड़ी से जुड़ा एक खास पल बताया।

यह मीटिंग दो खेलों से आगे बढ़कर, भारत और न्यूजीलैंड के बीच स्पोर्टिंग रिश्तों के सौ साल पूरे होने के जश्न के दौरान हुई। इस रिश्ते की शुरुआत 1926 में हुई थी, जब महान खिलाड़ी ध्यानचंद की मौजूदगी में इंडियन आर्मी की हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था।

अभी चल रहा सभी फॉर्मेट का क्रिकेट दौरा दोनों देशों के बीच खेलों के 100 साल पूरे होने के जश्न का हिस्सा है। भारत पहले ही पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से जीत चुका है।

मेजबान टीम साझा खेल और सांस्कृतिक विरासत को याद करने के लिए एक खास लिमिटेड-एडिशन कोटाहितंगा वनडे जर्सी भी पहन रही है।

वनडे सीरीज के बाद दो टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में खेली जाएगी।

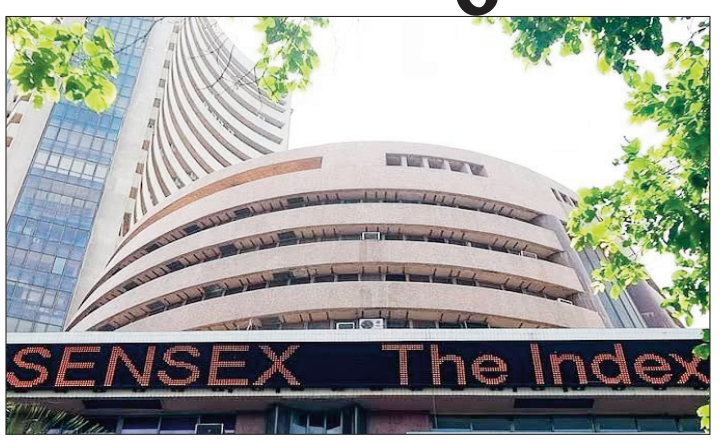
व्यापार

वैश्विक दबाव के बीच सपाट खुला बाजार, सैंसेक्स 478 अंक उछला

मुंबई (एजेंसी)। लगातार चार कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को हल्की कमजोरी के साथ शुरुआत की। एशियाई बाजारों में आईटी शेयरों पर दबाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंताओं के बीच वैश्विक संकेत मिश्रित रहे, जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 64.74 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,853.11 पर खुला। वहीं निफ्टी 68.60 अंक या 0.29 प्रतिशत फिसलकर 23,742.25 पर कारोबार की शुरुआत की।

हालांकि बाद के कारोबार में दोनों बेंचमार्कों में और तेजी दर्ज की गई। दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स 478.18 अंक या 0.62 प्रतिशत



उछलकर 77,96.04 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 135.5 अंक या 0.56 प्रतिशत चढ़कर 23,46.35 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सेक्टोरल आधार पर बाजार का रुख मिला-जुला रहा। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी सूचकांक में 0.79 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा मेटल, ऊर्जा, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली। हालांकि हेल्थकेयर और फार्मा शेयरों ने बाजार को कुछ सहारा दिया। निफ्टी 500 हेल्थकेयर, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 0.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई, जिससे इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बनी रही।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख में बदलाव ने निवेशकों की धारणा को सकारात्मक बनाया है। पिछले छह कारोबारी सत्रों में से पांच में एफआईआई खरीदार रहे हैं और उन्होंने कुल 18,661 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, पिछले दो वर्षों से एफआईआई की लगातार बिकवाली बाजार पर दबाव बना रही थी, लेकिन अब स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। मजबूत कॉर्पोरेट नतीजे और लार्जकैप शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन बाजार को बुनियादी समर्थन प्रदान कर रहा है। वहीं एआई थीम-आधारित वैश्विक निवेशों में नरमी ने भी विदेशी निवेशकों की वापसी में मदद की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा तेजी का नेतृत्व मुख्य रूप से लार्जकैप कंपनियां कर सकती हैं, विशेषकर वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में अभी भी आगे बढ़ने की गुंजाइश बनी हुई है। शॉर्ट कवरिंग भी बाजार को समर्थन दे सकती है।

तकनीकी दृष्टि से निफ्टी अभी भी अपने 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 23,196 के ऊपर कारोबार कर रहा है। आरएसआई 66.59 पर है, जो बाजार में मजबूती दर्शाता है। हालांकि इस स्तर पर मुनाफावसूली से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत ने यूएई को अनार और कीवी का किया निर्यात

किसानों की बढ़ेगी आय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनार और कीवी फलों की ताजा खेप यूएई के दुबई के बाजार में पहुंच गई है, जिससे देश के किसानों के लिए नए बाजारों के रास्ते खुले हैं। यह केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से संभव हुआ है। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को दी।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, एपीडा ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से सिंदूरी किस्म के 1.3 मीट्रिक टन अनार और अरुणाचल प्रदेश के जीरो से 1.5 मीट्रिक टन कीवी के परीक्षण निर्यात को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई तक पहुंचाने में मदद की है। अनार की इस खेप में 2-2 किलोग्राम के 650 बॉक्स शामिल थे, जिसका निर्यात उत्तर प्रदेश स्थित अमामा एक्सपोर्ट्स ने किया। इस पहल के तहत स्थानीय उत्पादकों और एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को निर्यातक से जोड़ा गया है, जिससे हिमाचल प्रदेश के बागवानी उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने के अवसर मिल रहे हैं। बयान के अनुसार, अनार सीधे स्थानीय किसानों और भुंतर एफपीओ से



खरीदे गए थे, जो लगभग 600 किसानों से जुड़ा हुआ है। कुल्लू जिला बागवानी प्रशासन ने खरीद और समन्वय में मदद करके इस पहल को समर्थन दिया।

यह पहल किसानों के लिए बाजार संपर्क मजबूत करने में प्रत्यक्ष खरीद और एफपीओ के माध्यम से सामूहिक भागीदारी की भूमिका को दर्शाती है। इस निर्यात में शामिल किसानों को घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक मूल्य मिला।

सिंदूरी किस्म हिमाचल प्रदेश में उगाई जाने वाली अनार की प्रमुख किस्मों में शामिल है। इसके अलावा यहां भगवा और कंधारी किस्मों की भी खेती होती है। आकर्षक लाल छिलके, रसीले दानों और मीठे-खट्टे स्वाद के लिए पहचाने जाने वाले सिंदूरी अनार ताजा खपत के लिए उपयुक्त हैं और इनमें निर्यात बाजार की भी अच्छी संभावनाएं हैं। अरुणाचल प्रदेश से 1.5 मीट्रिक टन कीवी की परीक्षण निर्यात खेप सफलतापूर्वक दुबई पहुंची और अल कुसैस स्थित लुलु हाइपरमार्केट में प्रदर्शित की गई। यह पहल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इस फल की संभावनाओं का आकलन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य 'कीवीः अरुणाचल प्रदेश की यूएसपी' ब्रांडिंग अभियान के अंतर्गत राज्य के कीवी क्षेत्र को बढ़ावा देना और मजबूत करना है। राज्य सरकार के सहयोग से लागू इस पहल का लक्ष्य राज्य के कीवी को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पेश करना, उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया का आकलन करना और स्थानीय उत्पादकों के लिए निर्यात के अवसर बढ़ाने हेतु मजबूत बाजार संपर्क विकसित करना है।

वी-मार्ट रिटेल का दूसरी तिमाही में घाटा बढ़कर 16 करोड़ रुपए हुआ

मुंबई (एजेंसी)। वी-मार्ट रिटेल लिमिटेड ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। सितंबर 2026 में समाप्त तिमाही में उसका समेकित शुद्ध घाटा बढ़कर 16 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही) में कंपनी को 8.87 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था।

घाटे में बढ़ोतरी के बावजूद, वैल्यू फैशन और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी ने तिमाही के दौरान राजस्व में अच्छी वृद्धि दर्ज की।

कंपनी की ओर से स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल जानकारी के अनुसार, परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 953 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 807 करोड़ रुपए था।

कंपनी ने परिचालन प्रदर्शन में भी सुधार दर्ज किया। ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई (ईबीआईटीडीए) एक साल पहले के 71.6 करोड़ रुपए से 20.3 प्रतिशत बढ़कर 86.1 करोड़ रुपए हो गई।

पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8.9 प्रतिशत के मुकाबले ईबीआईटीडीए मार्जिन मामूली सुधार के साथ 9 प्रतिशत रहा।

अन्य आय सहित तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय 955.67 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में कुल आय सालाना आधार पर 20.52 प्रतिशत बढ़कर 2,047.13 करोड़ रुपए हो गई।

रिपोर्टिंग तिमाही के दौरान कंपनी के रिटेल ट्रेड कारोबार से 94.71 करोड़ रुपए की आय हुई, जबकि उसके डिजिटल मार्केटप्लेस सेगमेंट ने 142.8 करोड़ रुपए का योगदान दिया।

इसके अलावा, वी-मार्ट के निदेशक मंडल ने 3 नवंबर, 2026 से वरिन अग्रवाल को मर्चेंडाइजिंग प्रमुख नियुक्त करने की मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति के बाद अग्रवाल को कंपनी के सीनियर मैनेजमेंट पर्सनल के रूप में भी नामित किया जाएगा।

सोने से मोहभंग,ज्वेलरी और निवेश के लिए तीसरी तिमाही में मांग 19 प्रतिशत तक घटी



मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी और निवेश के लिए सोने की मांग में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में क्रमशः19 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

डब्ल्यूजीसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर 2026 की तीसरी तिमाही में ज्वेलरी के लिए सोने की मांग सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 340.1 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 420.0 टन थी। साथ ही कहा कि इस दौरान निवेश के लिए भी सोने की मांग में कमी देखने को मिली है। यह सालाना आधार पर 14 प्रतिशत कम होकर 479.0 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 554.3 टन थी।

निवेश कैटेगरी में बार और कॉइन की मांग सालाना आधार पर 19 प्रतिशत कम होकर 267.8 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 328.6 टन थी।

वहीं, गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स) के जरिए सोने की मांग सालाना आधार पर 6 प्रतिशत कम होकर 211.2 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 225.7 टन थी।

हालांकि, केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की लगातार खरीद जारी है। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, दुनिया के केंद्रीय बैंकों और अन्य संस्थानों ने 2026 की तीसरी तिमाही में 321.2 टन सोना खरीदा है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के 226.3 टन से 42 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, दुनिया में कुल सोने की मांग 2026 की तीसरी तिमाही में 1,368.6 टन रही है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 1,383.2 टन से सालाना आधार पर एक प्रतिशत कम है। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, 2026 की तीसरी तिमाही में खदानों से सोने का उत्पादन 1,070.9 टन रहा है, जो कि 2025 की तीसरी तिमाही के उत्पादन 1,040.7 टन से 3 प्रतिशत अधिक है।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

धनतेरस पर सोने-चांदी से आगे बढ़कर स्वास्थ्य में निवेश करें



– प्रतापराव जाधव

> हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों। यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है।

"शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसंपदा।"

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष धनतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ-सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल-सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं?

हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है।

धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो।

आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली-भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में।

क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं?

यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्', अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर-संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है।

भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके।

हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों। यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है।

इस शुभ अवसर पर मैं प्रत्येक नागरिक से अपील करता हूं कि वह निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का व्यक्तिगत संकल्प ले। आइए, हम अपनी दिनचर्या में कम से कम एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत करें और परिवार के किसी एक अन्य सदस्य को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। अपने बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वस्थ जीवनशैली को पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी बनाएं।

इस धनतेरस जब हम अपने घरों में दीपक जलाएं, तो उसकी रोशनी हमें अपने और अपने प्रियजनों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराए। हम जो आभूषण खरीदते हैं, वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत में मिल सकते हैं, लेकिन जो अच्छी स्वास्थ्य संबंधी आदतें हम अपने परिवार में विकसित करते हैं, वे भी आने वाली पीढ़ियों के लिए उतनी ही मूल्यवान विरासत बन सकती हैं।

इस धनतेरस आइए, हम अपने घर केवल समृद्धि के प्रतीक ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की नई आदतें भी लेकर आएं। अपने प्रियजनों की देखभाल करें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और निवारक स्वास्थ्य को अपने परिवार के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनाएं।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

राज्योत्सव पर कबीरधाम के 2,929 निर्माण श्रमिकों के खातों में पहुंचे 90.43 लाख रुपये

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2026 के तहत कबीरधाम जिले के 2,929 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बैंक खातों में 90 लाख 43 हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत यह राशि 2 नवंबर 2026 को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के खातों में भेजी गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन की पहल पर श्रमिकों और उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए मंडल द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह के मार्गदर्शन में श्रमिकों को आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्योत्सव-2026 के विशेष अवसर पर मंडल की 14 कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रदेशभर के 54,084 हितग्राहियों के बैंक खातों में कुल 16 करोड़ 94 लाख 55 हजार 460 रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई है। इस पहल से प्रदेश के हजारों निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिला है। कबीरधाम जिले के श्रम पदाधिकारी श्री भूपेन्द्र चन्द्रवंशी ने बताया कि राज्योत्सव के अवसर पर जिले के 2,929 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को योजनाओं का लाभ मिला है। उनके खातों में कुल 90.43 लाख रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की इन योजनाओं से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ उनकी सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा भी मजबूत हो रही है। शासन का उद्देश्य है कि पात्र निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिले और वे अपने परिवार के साथ सम्मानजनक एवं बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें। श्रम पदाधिकारी श्री चन्द्रवंशी ने जिले के सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपने श्रम पंजीयन कार्ड का आधार आधारित संशोधन एवं ई-केवाईसी कराने की अपील की है।

दीपावली से पहले कबीरधाम पुलिस का जुआ-सट्टा और अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज

शराब सेवन, अवैध बिक्री और पिलाने की सुविधा देने के मामलों में 9 आरोपियों पर भी कार्रवाई

जुआ खेलते 23 आरोपी पकड़े गए, 6 प्रकरण दर्ज; 16,480 रुपये नकद और ताशपत्ती जब्त

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। आगामी दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए कबीरधाम पुलिस ने जिले में जुआ-सट्टा, अवैध शराब बिक्री और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिटी कोतवाली कवर्धा एवं चौकी पोड़ी पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलते हुए 23 आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने इनके विरुद्ध 6 अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर कुल 16 हजार 480 रुपये नगद एवं ताशपत्ती जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 3 एवं 4 नवंबर की दरम्यानी रात थाना सिटी कोतवाली कवर्धा पुलिस ने ग्राम भागुटोला स्कूल के पीछे, सिविल बंगला के पीछे तथा कैलाश सरोवर के पास अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान जुआ खेलते पाए गए आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के तहत 5 प्रकरण दर्ज किए गए।



ग्राम भागुटोला स्कूल के पीछे जुआ खेलते पाए जाने पर दो अलग-अलग मामलों में डिकेश्वर साहू, महेश जायसवाल, जगदेव पटेल, नरेश यादव, आलोक पाल, हरेन्द्र जायसवाल, कृष्णा धुर्वे एवं कामता पटेल के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इन दोनों मामलों में कुल 2,350 रुपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जब्त की गई।

इसी प्रकार सिविल बंगला के पीछे जुआ खेलते पाए जाने पर विकास सिन्हा, गोपाल निर्मलकर एवं श्रीमती पुष्पतला जोशी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर 3,480 रुपये नगद एवं ताशपत्ती जब्त की गई। वहीं कैलाश सरोवर के पास दो अलग-अलग प्रकरणों में हेमंत कुमार तंबोली, हर्ष पात्रे, केशव साहू, विक्र सिंह चौहान, अश्वनी सोनी, विनोद साहू, दशरथ साहू एवं हेमकुमार साहू के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 8,900 रुपये नगद एवं ताशपत्ती जब्त की गई।

चौकी पोड़ी, थाना बोड़ला पुलिस ने 3 नवंबर को ग्राम बैहरसरी में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पाए जाने पर हेमकुमार वर्मा, मुखीराम वर्मा एवं रवि वर्मा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 164/26 दर्ज किया। आरोपियों के कब्जे से 1,750 रुपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जब्त की गई। जुआ-सट्टा के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही जिले के थाना पिपरिया, पांडातराई एवं पंडरिया पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कुल 9 प्रकरण दर्ज कर 9 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

कवर्धा परियोजना में दोहरी जिम्मेदारी का सवाल, विभागीय निगरानी पर उठे सवाल

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। एकीकृत बाल विकास परियोजना कवर्धा में विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आंगनवाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत महिला के स्वास्थ्य विभाग में मितानिन के रूप में भी कार्य करने की जानकारी सामने आने के बाद दोनों विभागों की जिम्मेदारियों और कार्य निष्पादन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि एक ही व्यक्ति दोनों जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो निर्धारित समय में दोनों कार्यों का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है, यह जांच का विषय है।



आंगनवाड़ी सहायिका और मितानिन दोनों की जिम्मेदारियां ग्रामीण एवं शहरी समुदाय के स्वास्थ्य, पोषण और महिला-बाल कल्याण से जुड़ी हैं, लेकिन दोनों पदों की कार्यप्रणाली और दायित्व अलग-अलग हैं। आंगनवाड़ी सहायिका का प्रमुख कार्य केंद्र के संचालन में सहयोग करना, बच्चों को पूरक पोषण वितरण, केंद्र की स्वच्छता, बच्चों की उपस्थिति और अन्य गतिविधियों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता करना है। वहीं मितानिन स्वास्थ्य विभाग की सामुदायिक स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उनका कार्य घर-घर संपर्क, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए जागरूकता, टीकाकरण में सहयोग, स्वास्थ्य संबंधी परामर्श तथा जरूरतमंद मरीजों को स्वास्थ्य संस्थाओं तक पहुंचाने में सहायता करना है।

दोनों भूमिकाओं का उद्देश्य जनसामान्य तक सरकारी सेवाएं पहुंचाना है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति एक साथ दोनों जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो उसकी उपस्थिति, कार्य अवधि, सेवा शर्तों और वास्तविक कार्य निष्पादन की जांच आवश्यक हो जाती है। सवाल यह भी है कि दोनों विभागों के निर्धारित कार्यों का पालन किस तरह सुनिश्चित किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इस मामले की जानकारी परियोजना के पर्यवेक्षक और परियोजना अधिकारी को होने की चर्चा है। इसके बावजूद अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आने से विभागीय निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यदि अधिकारियों को इसकी जानकारी थी तो उन्होंने अब तक स्थिति का परीक्षण क्यों नहीं कराया? क्या संबंधित कर्मचारी की उपस्थिति और कार्यों का नियमित सत्यापन किया गया है? इन सवालों का जवाब विभागीय जांच से ही सामने आ सकता है।

मामले को लेकर पर्यवेक्षक और परियोजना अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आर्थिक मिलीभगत की चर्चाएं भी हैं, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।

जांच से स्पष्ट हो जवाबदेही

प्रशासन को संबंधित महिला की नियुक्ति, पदस्थापना, उपस्थिति पंजी, मानदेय भुगतान, कार्य निष्पादन और दोनों विभागों की सेवा शर्तों की जांच करानी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि एक साथ दोनों जिम्मेदारियां निभाने की अनुमति नियमानुसार है या नहीं। जांच में पर्यवेक्षक और परियोजना अधिकारी की भूमिका भी शामिल की जानी चाहिए।

आंगनवाड़ी और मितानिन व्यवस्था सीधे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, माताओं और ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही का असर सीधे हितग्राहियों पर पड़ सकता है। अब जरूरत आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की है।

आंध्र प्रदेश के शहरी निकाय चुनावों में एनडीए की निर्णायक जीत पर केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में शहरी विकास को मिलेगी नई गति, प्रदेश में साकार होगा विकास का ट्रिपल इंजन मॉडल



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने आंध्र प्रदेश के शहरी निकाय चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की निर्णायक जीत पर बधाई दी है।

एनडीए ने नगर निगमों, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। महापौर, अध्यक्ष और वार्ड स्तर के चुनावों में भी सत्तारूढ़ गठबंधन ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री साहू ने कहा, "ये चुनाव परिणाम एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार और उसकी विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर जनता के विश्वास एवं भरोसे को दर्शाते हैं। यह जनादेश प्रगतिशील, आधुनिक और विकसित शहरी केंद्रों के निर्माण के प्रति जनता की आकांक्षाओं को नई मजबूती प्रदान करता है।"

उल्लेखनीय है कि श्री साहू ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में चुनावी रैलियों और जनसभाओं में भाग लेकर NDA के महापौर पद के प्रत्याशियों एवं गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया था।

इस दौरान उन्होंने जनता से शहरी परिवर्तन और समग्र विकास के NDA के विजन को समर्थन देने की अपील की थी।

गठबंधन के विकास एजेंडे पर विश्वास व्यक्त करते हुए श्री साहू ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सशक्त नेतृत्व, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शी सोच और शहरी स्थानीय निकायों में NDA के नेतृत्व वाला प्रशासन मिलकर प्रदेश के शहरों में विकास का ट्रिपल इंजन स्थापित करेंगे।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह जनादेश आंध्र प्रदेश के शहरों में आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे के विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं, सतत विकास और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयासों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव 2026 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को विभागीय प्रदर्शनियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राज्योत्सव के समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने यह सम्मान प्रदान किया। विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पांडेय ने पुरस्कार प्राप्त किया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों और वन धन केंद्रों से जुड़े सदस्यों को बधाई दी। गौरतलब है कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 'बदलता बस्तर-संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर तैयार प्रदर्शनी में बस्तर में शांति के साथ बढ़ते पर्यटन और आजीविका के अवसरों से लेकर प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की पहलों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

बस्तर में बदलाव की तस्वीर बनी प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण-प्रदर्शनी को दो प्रमुख हिस्सों में विभाजित किया गया था। प्रवेश द्वार पर जगदलपुर के जनजातीय गौरव वाटिका, बीजापुर स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व के चेंदरू गेट और दंतेवाड़ा के वन मंदिर के प्रतिरूप बनाए गए थे।

संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा को प्रदर्शित किया गया। 'बदलता बस्तर' खंड में सुकमा के तुंगल डैम स्थित 'तुंगल कैफे' की पहल विशेष आकर्षण रही। यहां मुख्यधारा में लौट चुकी पूर्व महिला नक्सली कैफे का संचालन कर रही हैं, जबकि स्थानीय युवा पर्यटकों को नौकायन और कयाकिंग की सुविधा उपलब्ध कराकर आजीविका अर्जित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में इस पहल के माध्यम से बस्तर में बदलते सामाजिक परिवेश और रोजगार के नए अवसरों को सामने रखा गया। इसके साथ ही कांगेर घाटी के समीप धुड़मारास गांव के होमस्टे, कोंडागांव की पुष्पाल घाटी के इको-कॉटेज, तीरथगढ़ जलप्रपात और इंद्रावती



टाइगर रिजर्व के मट्टीमरका क्षेत्र के मॉडल प्रदर्शित किए गए। धुड़मारास गांव का चयन संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' में हुआ है। प्रदर्शनी में बस्तर की 572 देवगुड़ियों के जीर्णोद्धार, मनरेगा के अंतर्गत 21.67 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन तथा कांगेर वैली में 35 सफारी जिप्सियों के संचालन से 200 स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की जानकारी भी दी गई।

वन्यजीव संरक्षण और मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन की पहल प्रदर्शित-'संवरता छत्तीसगढ़' भाग में प्रदेश की जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को त्रिआयामी मॉडल एवं जीवंत प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इसमें बिलासपुर के कोपरा जलाशय को दिसंबर 2025 में प्रदेश के पहले रामसर स्थल के रूप में मिली मान्यता, बारनवापारा अभयारण्य में दशकों बाद काले हिरणों की रिलोकेशन और औरापानी में गिद्ध संरक्षण के प्रयास प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। बारनवापारा में काले हिरणों के पुनर्व्यवस्थापन की सराहना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में भी की थी। मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन के लिए 'गजरथ यात्रा' जागरूकता अभियान और 'गज संकेत' ऐप का प्रदर्शन किया गया। यह ऐप हाथियों की आवाजाही की जानकारी ग्रामीणों तक वॉयस कॉल, एसएमएस और व्हाट्सऐप के माध्यम से पहुंचाता है।

वृक्षारोपण की उपलब्धियों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वर्ष 2024 में 3.50 करोड़ और वर्ष 2025 में 3.55 करोड़ पौधों के रोपण की जानकारी दी गई। इसी तरह किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत 36 हजार 896 किसानों द्वारा 62 हजार 441 एकड़ क्षेत्र में 3.67 करोड़ पौधे लगाने की जानकारी प्रस्तुत की गई।

डिजिटल तकनीक और वन उत्पादों ने भी किया आकर्षित-प्रदर्शनी में क्यूआर कोड आधारित वन्यजीव प्रश्नोत्तरी, इंटरैक्टिव गेम, 360 डिग्री वर्चुअल रियलिटी, लाइट एंड साउंड प्रभाव तथा सेल्फी प्वाइंट दर्शकों, विशेषकर युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहे। क्यूआर कोड स्कैन कर दर्शकों ने विभाग की विशेष वेबसाइट के माध्यम से वानिकी योजनाओं और प्रदेश के इको-टूरिज्म स्थलों की जानकारी प्राप्त की।

संयुक्त वन प्रबंधन के स्टॉल पर ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित बांस के घर, नाव, लालटेन और सजावटी वस्तुओं की बिक्री हुई। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के स्टॉल पर वन मधु, सफेद मूसली, त्रिफला चूर्ण, एलोवेरा शैम्पू और महाभृंगराज तेल जैसे वन धन केंद्रों में तैयार उत्पादों ने भी लोगों को आकर्षित किया। राज्य औषधीय पादप बोर्ड ने घरेलू बाड़ियों में सिंगी और शतावरी जैसी औषधीय वनस्पतियों की खेती से ग्रामीण महिलाओं के लिए सालाना 20 से 30 हजार रुपए की अतिरिक्त आय की संभावनाओं को प्रदर्शित किया।

छत्तीसगढ़ में विज्ञान और तकनीक का नया केंद्र बनाने की तैयारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ को विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के निदेशक



प्रोफेसर जी. रंगराजन और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर तीन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर चर्चा की। इनमें विश्वस्तरीय मटेरियल टेस्टिंग सेंटर, विज्ञान एवं गणित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान और आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान में सहयोग शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को केवल खनिज और औद्योगिक संपदा से ही नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान, तकनीक और नवाचार से भी समृद्ध बनाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने जोर दिया कि बस्तर, सरगुजा सहित ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को भी आधुनिक प्रयोगशालाओं, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर मिलने चाहिए।बैठक में प्रदेश में मटेरियल कैरेक्टराइजेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी स्थापित करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इससे खनिज, इस्पात, धातु, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्र के उद्योगों को उच्चस्तरीय परीक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएं मिल सकेंगी। प्रस्तावित केंद्र में आधुनिक माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे विश्लेषण, नैनो तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वैज्ञानिक विश्लेषण जैसी सुविधाएं विकसित करने की परिकल्पना है। विज्ञान एवं गणित के उत्कृष्ट शिक्षक तैयार करने के लिए चार वर्षीय एकीकृत बीएससी-बीएड संस्थान स्थापित करने पर भी विचार किया गया। वहीं चिकित्सा अनुसंधान, डिजिटल हेल्थ और किफायती स्वास्थ्य तकनीकों के विकास में आईआईएससी की विशेषज्ञता का लाभ लेने की संभावनाएं तलाशीं गईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं की तकनीकी, वित्तीय और संस्थागत व्यवहार्यता का परीक्षण कर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान में निवेश प्रदेश के दीर्घकालिक विकास और युवाओं के भविष्य में निवेश है।

तीन साल में 1,800 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का प्रस्ताव

प्रस्तावित मटेरियल टेस्टिंग सेंटर में लगभग 600 शोधार्थियों और विद्यार्थियों के आवासीय प्रशिक्षण की क्षमता विकसित करने की परिकल्पना है। इसके माध्यम से तीन वर्षों में करीब 1,800 विद्यार्थियों को उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण देने का लक्ष्य प्रस्तावित है।

बस्तर-सुकमा में बिजली के बिना पानी पहुंचाने की तकनीक

बैठक में हाइड्रोलिक रैम और टरबाइन पंप आधारित जलापूर्ति तकनीकों पर चर्चा हुई। बिजली के बिना जल प्रवाह की ऊर्जा से संचालित ये तकनीकें दूरस्थ वनांचलों में उपयोगी हो सकती हैं। जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और शोधित जल के पुनर्चक्रण में आईआईएससी के अनुभवों का लाभ लेने पर भी विचार किया गया।

सेजेस संविदा शिक्षक भर्ती परीक्षा 2026 - उत्तर पुस्तिका आज होगी जारी

रायपुर. छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में विभिन्न 26 विषयों के 1812 रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की उत्तर पुस्तिका (रिस्पॉन्स शीट) 5 नवंबर 2026 को जारी की जाएगी। अभ्यर्थी 8 नवंबर 2026 तक उत्तर कुंजी पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, संविदा भर्ती परीक्षा 31 अक्टूबर से 4 नवंबर 2026 तक विभिन्न पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा के लिए कुल 34 हजार 604 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 28 हजार 535 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार परीक्षा में 82.46 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी अनुसार 4 नवंबर को दोपहर 2.30 बजे परीक्षा संपन्न होने के बाद सभी विषयों के परीक्षार्थियों की रिस्पॉन्स शीट 5 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट http://eduportal.cg.nic.in पर अपलोड कर दी जाएगी।प्रत्येक अभ्यर्थी अपने लॉग इन आईडी से अपने दिए गए उत्तर और उस प्रश्न पत्र के सही का मिलान वेबसाइट पर उपलब्ध रिस्पॉन्स शीट एवं उत्तर कुंजी का मिलान कर सकेंगे। परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक प्रदान किया जाएगा, जबकि गलत उत्तर के लिए 0.25 अंक की कटौती की जाएगी।यदि अनुत्तरित प्रश्न होने पर शून्य अंक प्रदान किया जाएगा । लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार, उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न के सही उत्तर से असहमति होने पर अभ्यर्थी 5 नवंबर को दोपहर 12 बजे से 8 नवंबर 2026 को दोपहर 12 बजे तक ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट http://eduportal.cg.nic.in पर उपलब्ध विकल्प का उपयोग करना होगा। उत्तर पुस्तिका देखने और उत्तर कुंजी पर आपत्ति के विकल्प की सूचना सभी परीक्षार्थियों को ई-मेल, एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा। दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रति प्रश्न 100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यदि अभ्यर्थी की आपत्ति सही पाई जाती है, तो संबंधित प्रश्न का आपत्ति शुल्क वापस कर दिया जाएगा, अन्यथा जमा शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षार्थी यदि वह पोर्टल में दिए गए सही उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं तो निर्धारित समय में उत्तर कुंजी पर आपत्ति का विकल्प दर्ज करें। उत्तर कुंजी की आपत्ति का समाधान करने के बाद संबंधित परीक्षार्थियों के प्राप्तांक को सुधारा जाएगा।

शिक्षा विभाग बना वसूलीबाजों का चारागाह : कांग्रेस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जनगणना और एसआईआर जैसी अत्यंत संवेदनशील और कानूनी रूप से प्रतिबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच चल रहे बेलगाम तबादला उद्योग पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि इस सरकार में तबादला कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि बोली लगाने वाला एक खुला बाजार बन चुका है। चुनाव आयोग के नियमों को ताक पर रखकर जनगणना के समय ट्रांसफर करना, प्रशासनिक अराजकता की पराकाष्ठा है। सबसे अग्रणी स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट है, छत्तीसगढ़ के शिक्षा के मंदिर को इन लोगों ने वसूलीबाजों का चारागाह बना दिया है, जहां अर्धवार्षिक परीक्षा के समय गरीब बच्चों की पढ़ाई दांव पर लगी है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से गर्त में धकेल दिया है। भारत सरकार और चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनगणना और एसआईआर प्रक्रिया के दौरान ड्यूटीरत कर्मचारियों-अधिकारियों का ट्रांसफर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पेंड्रावन जलाशय पर मंडराया अस्तित्व का खतरा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर जिले के तिल्दा तहसील स्थित 117 साल पुराने पेंड्रावन जलाशय के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की लाइम स्टोन माइनिंग



परियोजना को खनन की अनुमति दिए जाने के बाद किसानों में नाराजगी है। पेंड्रावन जलाशय बचाओ किसान संघर्ष समिति ने इस फैसले को किसान विरोधी बताते हुए खनन की अनुमति और पूरी परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। समिति के अनुसार, ग्राम बंगोली में स्थित पेंड्रावन जलाशय क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण जल संरचना है। इससे 11 गांवों के करीब 3440 किसानों की 2440 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई होती है। इसके अलावा जलाशय का उपयोग मछली पालन, निस्तारी और भूमिगत जल के पुनर्भरण के लिए भी किया जाता है। गर्मियों में आसपास के गांवों के लोगों को निस्तार के लिए पानी इसी जलाशय से मिलता है।

1722 एकड़ में प्रस्तावित है खनन परियोजना

किसान संघर्ष समिति के मुताबिक, जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की 1722 एकड़ में लाइम स्टोन खनन परियोजना प्रस्तावित है। इसके लिए जल संसाधन विभाग ने 23 जुलाई 2025 को एनओसी जारी की है। समिति का आरोप है कि खनन से जलाशय का अस्तित्व समाप्त हो सकता है और पूरे क्षेत्र में गंभीर जल संकट पैदा हो सकता है। खरोरा और तिल्दा क्षेत्र में पहले से ही भूजल की उपलब्धता कम है, ऐसे में खनन का प्रभाव किसानों और आम लोगों पर पड़ सकता है।2017 में भी निरस्त हो चुकी है खनन की एनओसी समिति ने बताया कि इससे पहले 30 जनवरी 2017 को भी जल संसाधन विभाग ने खनन के लिए एनओसी जारी की थी। उस समय विभाग के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता ने अपनी विस्तृत टिप्पणी में खनन से जलाशय के अस्तित्व पर खतरा होने की आशंका जताई थी। टिप्पणी में कहा गया था कि पेंड्रावन एक हाई पर्सेंटेज डैम है। खनन से जलाशय का कैचमेंट क्षेत्र कम हो सकता है। साथ ही जलाशय का पानी रिसकर माइनिंग पिट में जा सकता है और ब्लास्टिंग से जलाशय की संरचना को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। किसानों के व्यापक आंदोलन के बाद तत्कालीन जल संसाधन मंत्री ने 20 मार्च 2017 को खनन की एनओसी निरस्त कर दी थी।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद दोबारा एनओसी जारी करने का मामला

समिति के अनुसार, एनओसी निरस्त होने के बाद अल्ट्राटेक कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कंपनी ने दलील दी थी कि एनओसी निरस्त करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया। 25 अप्रैल 2024 को हाईकोर्ट ने शासन के 20 मार्च 2017 के निरस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने शासन को निर्देश दिया था कि यदि विभाग उचित समझे तो जलाशय की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए दोबारा एनओसी जारी करने पर विचार कर सकता है। हालांकि, इस पर निर्णय लेने से पहले एक उच्चस्तरीय तकनीकी समिति गठित कर खनन के जलाशय पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया गया था।

खनन की अनुमति निरस्त करने की मांग

पेंड्रावन जलाशय बचाओ किसान संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि किसानों के विरोध और जलाशय की सुरक्षा से जुड़ी आपत्तियों को नजरअंदाज कर खनन की अनुमति दी गई है। समिति का कहना है कि जलाशय केवल सिंचाई का साधन नहीं, बल्कि 11 गांवों की आजीविका और जल जरूरतों का आधार है। समिति ने शासन से 23 जुलाई 2025 को जारी एनओसी और पूरी खनन परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ बनेगा देश का नया फिल्म हब

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण (फिल्म शूटिंग) को प्रोत्साहित करने और पर्यटन के बहुमुखी विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख और लोकप्रिय फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सिनेमैटिक और प्राकृतिक दृश्यों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य के अनछुए प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध पर्यटन स्थलों को देश-विदेश के फिल्म निर्माताओं के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में फिल्म शूटिंग के लिहाज से उपयुक्त और संभावनाशील नए स्थलों की पहचान कर उन्हें तेजी से विकसित और प्रोत्साहित किया जाए। चर्चा के दौरान राज्य की मौजूदा फिल्म नीति को और अधिक व्यावहारिक व प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही, बहुप्रतीक्षित



चित्रोत्पला फिल्म सिटी के प्रस्ताव और उसकी संभावनाओं को मूर्त रूप देने को लेकर भी गहन मंथन हुआ। सरकार का उद्देश्य फिल्म मेकर्स के लिए शूटिंग की प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी और आकर्षक बनाना है, जिससे अधिक से अधिक प्रोडक्शन हाउस छत्तीसगढ़ का रुख करें। मुख्य सचिव ने इस बात पर विशेष बल दिया कि फिल्म निर्माण गतिविधियों के बढ़ने से न केवल पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों, होटल उद्योग और युवाओं के लिए रोजगार के नए और सुनहरे अवसर सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त, बैठक में निफ्टेम (NIFTEM) के प्रस्तावित भ्रमण तथा खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) के क्षेत्र में तकनीकी सुविधाओं एवं प्रशिक्षण के विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ की प्रबंध संचालक श्रीमती संजीता गुप्ता तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की उप सचिव श्रीमती आकांक्षा शिक्षा खलखो सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ और चक्रवात की आशंका के बीच स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

चक्रवात और बाढ़ की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति से निपटने की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन से लेकर संक्रामक बीमारियों की निगरानी और महामारी नियंत्रण तक के लिए स्वास्थ्य संचालनालय ने 9 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में 24 घंटे हेल्थ कंट्रोल रूम स्थापित करने, रैपिड रिस्पॉन्स टीम तैयार रखने और जरूरी दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखने को कहा गया है। स्वास्थ्य संचालनालय के आपदा प्रबंधन कार्यक्रम ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। यह निर्देश प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षकों को भेजा गया है। विभाग ने जिला स्तर पर स्वास्थ्य आपदा प्रबंधन एवं महामारी नियंत्रण समिति को सक्रिय करने के साथ जिला सर्विलांस अधिकारी (DSO), IDSP और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाने पर जोर दिया है।

बाढ़ प्रभावित गांवों की बनेगी सूची, 24 घंटे सक्रिय रहेंगे कंट्रोल रूम-निर्देश के मुताबिक, जिला और विकासखंड स्तर पर 24×7 हेल्थ कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे। बाढ़ की आशंका वाले और संवेदनशील गांवों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करनी होगी। इसके लिए जिला प्रशासन, नगर निगम, पंचायत और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है।

अतिसार, बुखार और पीलिया के मामलों पर रहेगी नजर-आपदा के दौरान संक्रामक बीमारियों का फैलाव रोकने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित रोग निगरानी की जाएगी। अतिसार, बुखार, पीलिया, उल्टी और अन्य बीमारियों के मामलों में असामान्य बढ़ोतरी की रोजाना समीक्षा करनी होगी। स्वास्थ्य संस्थानों को IDSP-IHIP पोर्टल पर S, P और L फॉर्म की नियमित रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी संभावित बीमारी के प्रकोप की जानकारी मिलते ही जिला सर्विलांस इकाई को सूचना देनी होगी। जरूरत पड़ने पर मरीजों के सैंपल लेकर लैब जांच भी कराई जाएगी।

महामारी की सूचना पर तुरंत पहुंचेगी RRT-जिले और विकासखंड स्तर पर रैपिड रिस्पॉन्स टीम (RRT) की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। किसी क्षेत्र में महामारी फैलने की आशंका या सूचना मिलने पर टीम को तत्काल भेजकर जांच और नियंत्रण की कार्रवाई शुरू करनी होगी। टीम मरीजों की पहचान, उनके संपर्क में आए लोगों की जानकारी, संक्रमण के स्रोत की जांच और जरूरी उपचार व रेफरल की व्यवस्था करेगी।

ORS से लेकर एंटी स्नेक वेनम तक का स्टॉक रखने के निर्देश-स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में जरूरी दवाइयों और मेडिकल सामग्री का पर्याप्त भंडारण रखने को कहा है। इसमें ORS, जिंक, IV फ्लूड, आवश्यक दवाइयां, एंटी स्नेक वेनम, क्लोरीन टैबलेट, ब्लीचिंग पाउडर, PPE किट, मास्क, दस्ताने और जांच सामग्री शामिल हैं। दवाइयों को एयरटाइट कंटेनर में सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दूषित पानी और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों पर फोकस-बाढ़ के दौरान पेयजल दूषित होने और जलभराव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका को देखते हुए जल स्रोतों की नियमित जांच और क्लोरीनेशन कराने को कहा गया है। दूषित पानी के स्रोतों की पहचान कर नियंत्रण के उपाय करने होंगे। राहत शिविरों में सुरक्षित पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही जलभराव वाले इलाकों में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करने के निर्देश दिए गए हैं। बुखार के मरीजों की मलेरिया सहित जरूरी जांच कराई जाएगी। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से बचाव के लिए जागरूकता गतिविधियां भी चलाई जाएंगी।

राहत शिविरों में लगेंगे स्वास्थ्य जांच शिविर-प्रभावित लोगों को इलाज उपलब्ध कराने के लिए राहत शिविरों में नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने होंगे। गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता देने के निर्देश हैं। जरूरत के मुताबिक मोबाइल मेडिकल टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था करनी होगी, ताकि गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके।

आम लोगों को भी किया जाएगा जागरूक-स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में सुरक्षित पेयजल, हाथ धोने, व्यक्तिगत स्वच्छता और भोजन की साफ-सफाई को लेकर जागरूकता अभियान चलाने को कहा है। लोगों को अतिसार, पीलिया, बुखार और दूसरी संक्रामक बीमारियों के लक्षणों की जानकारी दी जाएगी। बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com